संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 156
पृष्ठ 8
मंगलवार
24 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फिश कट लहंगे के साथ इस तरह...

विचार- ए.आई. के लिए 'हां', लेकिन कुछ...

खेल- भारत की हार पर पाकिस्तान के...

सिंगापुर में योगी बोले

ब्रह्मोस ने अच्छे-अच्छे को कंपा दिया

सिंगापुर,एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सिंगापुर में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यूपी में डिफेंस कॉरिडोर बना है। ऑपरेशन सिंदूर में जो ब्रह्मोस मिसाइल दागी गई थी, वह लखनऊ की थी। कितना सटीक निशाना था, न। अच्छे-अच्छे को कंपा दिया था। इस पर लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सीएम ने कहा, अगर आप 5 साल पहले अयोध्या आए होंगे, तो अब पहचान नहीं पाएंगे। लगेगा तेत्रायुग की अयोध्या आ गई है। भगवान राम के समय की। इस पर प्रवासी भारतीयों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। सीएम ने कहा, 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक यूपी के पास है। हमने कलस्टर तैयार किए हैं। वहां बिजली की निर्बाध सप्लाई है। सुरक्षा का माहौल है। किसी तरह का अब कोई डर नहीं। हां, 9 साल पहले बेटियां डरती थीं। अब तो लड़कियां नाइट

शिफ्ट में काम कर रही हैं। योगी ने कहा, नया भारत दुनिया के अंदर अपनी ताकत दिखा रहा है। दिल्ली में AI समिट को देखा होगा। 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष इसमें शामिल हुए थे। 100 से ज्यादा देशों के लोग इसमें आए थे। विकसित देशों के राष्ट्राध्यक्ष ने पीएम मोदी के नए भारत के द्वारा 140 करोड़ लिए अहम कदम उठाए हैं। सबने इसकी प्रशंसा की है। सीएम योगी 4 दिवसीय सिंगापुर-जापान के दौरे पर हैं। आज सोमवार को सीएम ने सिंगापुर में कारोबारियों के साथ बैठक की। यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित किया। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप के साथ 6,650 करोड़ रुपए के निवेश के लिए तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह निवेश ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे अहम क्षेत्रों में किया जाएगा। इनसे 20 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने निवेशकों को बताया- हम निवेशकों को आसान और तेज मंजूरी दे रहे हैं। यूपी की 25 करोड़ से ज्यादा की बड़ी आबादी एक बड़ा बाजार है। कानून-व्यवस्था बेहतर है, एक्सप्रेसवे और कनेक्टिविटी मजबूत हो रही, जिससे लंबे समय के निवेशकों को फायदा मिलेगा। सीएम के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी नजर आए। नंदी और वित्त मंत्री कोट-पैंट पहने हुए थे, जबकि सीएम पारंपरिक परिधान यानी भगवा कपड़ों में नजर आए। सीएम 3 दिन में 25 कंपनियों के सीईओ से मुलाकात करेंगे। इसके बाद 25 फरवरी को जापान पहुंचेंगे। सीएम योगी ने कहा, 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक यूपी के पास है। हमने कलस्टर तैयार किए हैं। वहां बिजली की निर्बाध सप्लाई है। सुरक्षा का माहौल है।

किसी तरह का अब कोई डर नहीं। हां, 9 साल पहले बेटियां डरती थीं। अब तो लड़कियां नाइट शिफ्ट में काम कर रही है। ऑफिस और उद्योग में भी। आज सुबह ही 6 बजे हम पहुंचे हैं। 8.30 बजे हाई कमिश्नर ने मीटिंग लगवा ली। हमारे साथ के लोगों की आंखें खुली नहीं थी। सुबह से दौड़ाए जा रहे हैं। फलां जगह यह करना है। फलां जगह मीटिंग करनी है। मैं आपको यूपी में आंमत्रित करता हूं। यूपी में आपका अभिनंनद है। आपके उत्साह के लिए हृदय अभिनंदन। सीएम योगी ने पार्वती पतये हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। लोगों ने जय-जय श्री राम के नारे लगाए। सीएम योगी ने कहा, अगर आप 5 साल पहले अयोध्या आए होंगे तो अब आएंगे तो पहचान नहीं पाएंगे। लगेगा तेत्रायुग की अयोध्या आ गई है।

पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम ने लिखी चिट्ठी

आपकी सेवा का अवसर मिलने की मैं बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहा हूं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को एक खुला पत्र लिखा है। इससे एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। इस पत्र में उन्होंने 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए राज्य की मौजूदा सरकार पर सीधा हमला बोला। पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर नागरिक आज दुखी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में माताएं और बहनें खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं और बदलाव अब अनिवार्य हो गया है। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत जय मां काली से की और लिखा कि कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल का भाग्य तय होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उनकी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। किसानों,

युवाओं और महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि राज्य सरकार के असहयोग के बावजूद पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग जन-धन योजना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालय बने। उज्ज्वला योजना के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को गैस कनेक्शन मिला। अटल पेंशन योजना से 56 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए। किसान सम्मान निधि के तहत 52 लाख से अधिक किसानों को आर्थिक सहायता दी गई। छोटे व्यापारियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए गए। पीएम मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास में अग्रणी था, लेकिन अब स्थिति चिंताजनक है।

उन्होंने छह दशकों के कुशासन और तुष्टिकरण की राजनीति को राज्य की गिरती हालत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवा पलायन कर रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अवैध घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरती आज अराजकता में फंसी है। उन्होंने नकली वोटरों का भी जिक्र किया और कहा कि राज्य को अंधकार से बाहर निकालना जरूरी है।

अलंकरण समारोह में पाँच साहित्यकार कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान -2026 से सम्मानित होंगे

प्रयागराज।साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र 'शहर समताश की सहयोगी साहित्यिक संस्था 'शहर समता विचार मंचश द्वारा 24 फरवरी 2026 को सारस्वत सभागार, लूकरगंज में 'कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मानश- 2026 समारोह का आयोजन होगा। इस समारोह में हिंदी साहित्य- साधकों की कृति पर अलग-अलग विधाओं के पांच साहित्यकार सम्मानित होंगे। सम्मानित होने वाले साहित्यकारों में उपन्यासकार अभिनव सिन्हा, कहानीकार प्रो० रवि कुमार मिश्रा, आलोचक डॉ० जी गणेशन मिश्र, नाट्यकार डॉ० राहुल शुक्ला 'साहिलश, कवि धीरज श्रीवास्तव को संस्था साहित्य सम्मानों से विभूषित करेगी इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मारूफ शायर अनवार अब्बास करेंगे तथा मुख्य अतिथि ऊषा मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ० कल्पना वर्मा तथा रंजन पाण्डेय होगें।

कार्यक्रम अपराह्न 01 बजे, सारस्वत सभागार, (अग्रसेन इण्टर कॉलेज के बगल में)

300 किमी दायरे वाले प्रस्ताव पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों को कई अहम निर्देश दिए हैं और अलग-अलग मुद्दों पर जवाब तलब किया है।

अदालत ने खास तौर पर कोयला आधारित उद्योगों, निर्माण और तोड़फोड़ के दौरान उड़ने वाली धूल और वाहनों के प्रदूषण को लेकर उठाए गए कदमों का ब्योरा मांगा है।

ठाणे में आईवीएफ से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़, स्वास्थ्य मंत्री सख्त

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार में स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने कहा है कि गरीब महिलाओं का शोषण करने वाले अंडाणु दान रैकेट के मामले की गहन जांच हो रही है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा, पुलिस ने हाल ही में ठाणे में एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के लोग महिलाओं को 25,000 से 30,000 रुपये की पेशकश करते थे। महिलाओं को बार-बार अंडाणु दाता के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। शारीरिक शोषण के इस गंभीर मामले में महिलाओं को आईवीएफ केंद्रों पर ले जाया जाता था और सर्जरी कर अंडे निकाले जाते थे।

बाद में गिरोह के लोग अंडे लाखों में बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक ठाणे के बदलापुर पूर्व इलाके के जोवेली में एक आवासीय अपार्टमेंट और सोनोग्राफी सेंटर से संचालित हो रहे अवैध व्यापार के सिलसिले में अब तक तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। ठाणे में पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने का वादा कर लाखों की ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। नरपोली पुलिस स्टेशन में 35.42 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में 43 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में सब इंस्पेक्टर संतोष शिंदे ने बताया कि बालकुम निवासी प्रशांत महाजन के खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य आरोपों के तहत 22 फरवरी को एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोपी ने मेडिकल स्टोर के मालिक से उसके बेटे को ष्वीआईपी कोटाष के तहत मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने का वादा किया था।

शहर समता विचार मंच
(शहर समता अखबार द्वारा संचालित)
सम्मान समारोह
दिन मंगलवार 24 फरवरी दुपहर 1 बजे से

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026

स्थान- 113ए, सारस्वत सभागार (अग्रसेन इण्टरमीडिएट कॉलेज के बगल में वैदिक ग्रीन सोसाइटी के सामने की गली में) लूकरगंज, प्रयागराज

डॉ.राहुल शुक्ल 'साहिल' को उनके नाटक 'कूड़े से करोड़पति' पर

वीरेन श्रीवास्तव को उनके गीत संग्रह 'मेरे गाँव की चिनमुनकी' पर

प्रो. रवि कुमार मिश्रा को उनके कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका' पर

अभिनव सिन्हा को उनके उपन्यास 'समाज सिंधम' पर

डॉ.जी गणेशन मिश्र को उनकी अलोचनात्मक कृति 'आचार्य शुक्ल की भक्ति एवं समाज दृष्टि' पर

अध्यक्षता - वरिष्ठ साहित्यकार अनवार अब्बास नकवी
मुख्य अतिथि - डॉ. उषा मिश्रा
विशिष्ट अतिथि - डॉ. कल्पना वर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार रंजन पाण्डेय

अध्यक्ष
के के गुप्ता

कार्यक्रम संयोजक
डॉ. प्रदीप चित्रांशी
संजय सक्सेना, अरविन्द पाण्डेय

संपादक एवं सचिव
उमेश श्रीवास्तव
प्रयागराज

कार्यालय - 289/238 ए, (अनंत भवन) कर्नलगंज, प्रयागराज 211002

घूस लेते हुए लेखपाल रंगे हाथों गिरफ्तार, रिपोर्ट लगाने के लिए लेखपाल से मांगी थी रिश्वत

प्रयागराज। विजिलेंस प्रयागराज की टीम ने कौशाम्बी मंझनपुर के लेखपाल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि लेखपाल महेंद्र कुमार ने

ठेकेदार का हैसियत प्रमाण पत्र की उल्टी रिपोर्ट लगाने की एवज में रिश्वत मांगी थी। विजिलेंस प्रयागराज की टीम ने कौशाम्बी मंझनपुर के लेखपाल को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि लेखपाल महेंद्र कुमार ने ठेकेदार का हैसियत प्रमाण पत्र की उल्टी रिपोर्ट लगाने की एवज में रिश्वत मांगी थी। पैसा पकड़ते ही विजिलेंस की टीम ने उसे दबोच लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

डंपर की चपेट में आने से कक्षा दो की छात्रा की मौत, नैनी में मिर्जापुर हाईवे पर हुआ हादसा

प्रयागराज। नैनी में मिर्जापुर हाईवे पर स्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार सुबह पढ़ने जा रही कक्षा दो की छात्रा को डंपर ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नैनी में मिर्जापुर हाईवे पर स्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार सुबह पढ़ने जा रही कक्षा दो की छात्रा को डंपर ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्कूल से 500 मीटर दूर केंद्रीय कारागार नैनी के सामने हुई घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शव को कब्जे में ले लिया।

नैनी थाना क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी निवासी नाजिम हुसैन की पुत्री फलीशा (10) बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा दो में पढ़ती थी। उसके पिता का निधन हो चुका है, जिससे वह ननिहाल में ही रहती थी। सोमवार की सुबह उसके मामा वली हाफिज बाइक से उसे पहुंचाने गए थे। उसके साथ उसका भाई भी था। केंद्रीय कारागार नैनी गेट के सामने जैसी ही वह पहुंचे की आगे जा रही कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। इससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।

पीछे से आ रहे डंपर ने छात्रा को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके मामा का पैर टूट गया। जानकारी होने पर बड़ी संख्या में परिवार व आसपास के लोग मौके पर जुड़ गए। जिससे मीरजापुर मार्ग पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस को गुस्साए लोगों ने शव उठाने से मना कर दिया, लेकिन पुलिस ने समझा कर लोगों को मौके से हटाया। कुछ देर बाद यातायात सुचारू हो गया।

सड़क हादसों में यूपी बोर्ड के दो परीक्षार्थियों की मौत, खुल्दाबाद और कोरांव में हुई दुर्घटना

प्रयागराज। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में यूपी बोर्ड के दो छात्रों की मौत हो गई। अन्य दो घायल हो गए। यह हादसा शहर के खुल्दाबाद और यमुनापार इलाके के कोरांव थाना क्षेत्र में हुए। एक मृतक इंटर जबकि दूसरा हाईस्कूल का छात्र था। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में यूपी बोर्ड के दो छात्रों की मौत हो गई। अन्य दो घायल हो गए। यह हादसा शहर के खुल्दाबाद और यमुनापार इलाके के कोरांव थाना क्षेत्र में हुए। एक मृतक इंटर जबकि दूसरा हाईस्कूल का छात्र था। सोमवार सुबह कोरांव थाना क्षेत्र के रतेवरा कोरांव मुख्य मार्ग पर पांडेय का मड़हा गांव में हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे एक बाइक पर सवार तीन छात्र डंपर की चपेट में आ गए। जिसमे एक की मौके पर मौत हो गई है। अन्य दो घायलों को पुलिस ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है। इसी तरह शहर के खुल्दाबाद में स्कूटी सवार मनीष कुमार को रोडवेज की बस ने रौंद दिया। वह इंटर का छात्र था और परीक्षा देने जा रहा था। मनीष शहर के राजापुर का रहने वाला था। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है।

खुरपका और मुंहपका बीमारी से पशुओं की हो रही मौतें

प्रयागराज। खुरपका और मुंहपका बीमारी फैलने से कई पशुओं की मौत हो गई है। ऐसे में किसानों को पशुओं की जान बचाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रहा है। पिछले एक पखवाड़े से विकासखंड कौड़िहार के करीमुद्दीनपुर, दासापुर, जगदीशपुर चांधन, बुदौना,चफरी, मुबारकपुर, टिकरी घाटमपुर समेत कई गांव के किसानों के पशु इन दिनों खुरपका और मुंहपका की बीमार में गिरफ्त में हैं। सुखदेव यादव निवासी दासापुर ने बताया कि उनके 9 पशु बीमार थे। शनिवार की एक मवेशी की मौत हो गई। जमुना प्रसाद यादव निवासी करीमुद्दीनपुर में बताया कि उनके भी पशु काफी दिनों से बीमार हैं। प्राइवेट इलाज के बाद राहत मिली है। किसानों का आरोप है कि एक तरफ पशुओं में बीमारी फैली हुई है। दूसरी तरफ जिम्मेदार पशुओं का टीकाकरण का हवाला देकर पल्ला झाड़ रहे हैं।

पशुओं में खुरपका और मुंहपका बीमारी के लक्षण पाए जा रहे हैं। हालांकि, बीमारी से बचाव के लिए पशुओं का टीकाकरण कराया जा रहा है। –डॉ. आलोक चौधरी, पशु चिकित्सा अधिकारी कौड़िहार

स्कॉर्पियो की टक्कर से दो युवकों की मौत, एक अज्ञात घायल

प्रयागराज। हंडिया कस्बे के कनकपुर गांव के सामने रविवार को सुबह तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से सड़क पर खड़े दो युवकों की मौत हो गई। वहीं एक अज्ञात व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खानापुर निवासी अटल बिहारी यादव(23) पुत्र अच्छे लाल यादव गांव में ही रहकर प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिस करता था। रविवार की सुबह करीब छह बजे मॉर्निंग वॉक करते हुए वह कनकपुर गांव के सामने हंडिया–जंघई मार्ग पर पहुंच गया। वहां पड़ोसी गांव लालापुर अर्जुनपट्टी निवासी सुरेशचंद्र यादव (45) से बात करने लगे। इसी दौरान जंघई की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो ने दोनों को टक्कर मार दी। इससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फौरन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतक सुरेश मुंबई में ऑटो चलाता था। एक सप्ताह पहले ही वही घर आया था। उसको दो बेटा एवं तीन बेटियां हैं। पत्नी गीता देवी का रो–रो कर हाल बेहाल है।

बमबाज गुड्डू मुस्लिम, शूटर साबिर और अरमान पर एक और एफआईआर दर्ज, तीनों पर है पांच–पांच लाख का इनाम

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी अतीक अहमद के खास गुर्गों बमबाज गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान के खिलाफ धूमनगंज थाने में एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह केस एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह ने दर्ज कराया है। तीनों बदमाशों के ऊपर पांच–पांच लाख रुपये का इनाम है। उमेश पाल की हत्या में यह तीनों शामिल थे और घटना सीसीटीवी में कैद हुई थी। घटना के बाद से ही तीनों फरार चल रहे हैं।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार चल रहे पांच–पांच लाख के इनामी अतीक अहमद के करीबी बमबाज गुड्डू मुस्लिम, शूटर अरमान और साबिर के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की गई है। यह केस एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह की ओर से धूमनगंज थाने में दर्ज कराया गया है। तीनों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में जून 2025 में कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। हाजिर न होने पर मामला दर्ज किया गया है।

गुड्डू मुस्लिम निवासी चकनिरातुल चकिया थाना खुल्दाबाद, अरमान पुत्र शमीम निवासी महात्मा गांधी मार्ग सिविल लाइंस प्रयागराज और साबिरपुत्र नसीम निवासी मरियाडीह थाना धूमनगंज के खिलाफ धूमनगंज थाने में 2/3 गैंगस्टर के तहत केस दर्ज किया गया था। इसकी विवेचना एयरपोर्ट थाना प्रभारी विनय कुमार सिंह कर रहे हैं। इनके विरुद्ध 12 जून को न्यायालय की ओर से गैर जमानती वारंट

जारी किया गया था, लेकिन यह तीनों बदमाश गिरफ्तार नहीं हो सके।

इसके बाद 13 नवंबर 2025 को न्यायालय ने 83 बीएनएसएस का आदेश निर्गत किया। जिसके अनुपालन में तीनों बदमाशों के घर पर मुनादी कराई गई। बावजूद इसके तीनों बदमाश न तो न्यायालय और न ही विवेचक के समक्ष आत्मसमर्मण किए। यह तीनों लगातार फरार चल रहे हैं। यह कृत्य दंडनीय अपराध है। इस मामले में तीनों के खिलाफ एयरपोर्ट थाना प्रभारी और विवेचक विनय कुमार सिंह ने धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान पर है पांच–पांच लाख का इनाम

राजू पाल मर्डर केस के मुख्य गवाह रहे उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी गुड्डू मुस्लिम, शूटर साबिर और अरमान के ऊपर पांच–पांच लाख रुपये का इनाम रखा है। धूमनगंज प्रभारी अमरनाथ राय ने 24 अक्तूबर 2024 को थाने में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली और उमर समेत कुल 15 आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें फरार चल रहे पांच लाख के तीन इनामी गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान भी शामिल थे। बता दें कि 24 फरवरी 2023 को हुए उमेश पाल हत्याकांड ने प्रदेश में सनसनी फैला दी थी। धूमनगंज में माफिया अतीक अहमद के शूटरों ने अधिवक्ता उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर पर बम व ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उनकी हत्या कर दी थी।

12 आरोपियों की हो चुकी है गिरफ्तारी

अधिकारियों के मुताबिक, इस बात के प्रमाण मिले हैं कि यह गैंग आर्थिक लाभ के लिए संगठित होकर अपराध करता रहा है। पूर्व में यह गैंग अतीक व अशरफ की सरपरस्ती में संचालित होता रहा। इसके बाद गैंग का सरगना अतीक का बेटा अली था। धूमनगंज में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान फरार चल रहे हैं।

प्रयागराज–अंबेडकर नगर एक्सप्रेस में खिड़की के रास्ते से कोच में घुसे यात्री, नहीं लगाई गई है रेलिंग

प्रयागराज। रेलवे यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के प्रति कितना गंभीर है इसकी हकीकत देखनी हो तो प्रयागराज जंक्शन आइए और प्रयागराज–अंबेडकर नगर एक्सप्रेस को देखिए। यहां जनरल बोगी में कोच की खिड़की के रेलिंग गायब है। यात्री दरवाजे से नहीं खिड़की के रास्ते कोच में प्रवेश करते हैं। यह दशा एक दिन की नहीं बल्कि रोज की है। इससे कभी हादसा हो सकता है।

रेलवे यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के प्रति कितना गंभीर है इसकी बानगी देखनी हो तो प्रयागराज जंक्शन आइए और प्रयागराज–अंबेडकर एक्सप्रेस को देखिए। यहां जनरल बोगी में कोच की खिड़की के रेलिंग गायब है। सीटें फटी हैं और कहीं कहीं प्लाईवुड से कमियों को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। कालिंदी एक्सप्रेस के प्रयागराज जंक्शन पहुंचते ही इसमें बैठने के लिए यात्री दरवाजे से नहीं बल्कि खिड़की के रास्ते प्रवेश करते हैं। क्योंकि खिड़कियों पर रेलिंग नहीं लगाई गई है। सीट पाने के लिए यात्री अपनी जान की भी परवाह नहीं करते हैं।

प्रयागराज जंक्शन से अंबेडकर नगर जाने वाली अंबेडकर नगर एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर पांच नंबर पर

खड़ी है। इसकी रवानगी 3रू10 बजे यहां से होती है, लेकिन उसमें सवार होने के लिए जनरल कोच के तमाम यात्री खिड़की के ही रास्ते कोच में प्रवेश कर गए। क्या महिलाएं क्या बच्चे हर कोई एक अदद सीट के लिए खिड़की से प्रवेश करता रहा। कोच के दरवाजे बंद थे। अगर इन जनरल कोच में रेलिंग होती तो शायद यात्री खिड़की से प्रवेश न कर पाते। खास बात यह रही कि इस दौरान ना ही कोई रेलवे का चेकिंग स्टाफ था ना ही आरपीएफकर्मी।

दोपहर 1.15 बजे ट्रेन आई तो खिड़की से घुसने लगे यात्री

बताते चलें कि भिवानी जंक्शन से प्रयागराज जाने वाली कालिंदी एक्सप्रेस का ही रेक डॉक्टर अंबेडकर नगर एक्सप्रेस में इस्तेमाल होता है। कालिंदी एक्सप्रेस सोमवार को दोपहर 1रू15 प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर आई तो उसके जनरल कोच की खिड़की दरवाजे सफाईकर्मियों ने अंदर से बंद कर लिए। उसके बावजूद भी यात्री नहीं माने और जिन लोगों को इस ट्रेन से खजुराहो, उज्जैन, चित्रकूटधाम कर्वी आदि स्थानों के लिए जाना था वह जनरल कोच की खिड़की के रास्ते ही अंदर घुसने लगे। इस दौरान कोच के अंदर मौजूद सफाईकर्मी लोगों को लगातार यात्रियों को रोकते रहे लेकिन उनकी किसी ने एक नहीं सुनी।

प्रयागराज में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को बनाया बंधक, पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद कराया मुक्त

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के दलापुर गांव में सोमवार को ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को पंचायत भवन में बंधक बना लिया। ग्रामीणों ने पंचायत सहायक के मानदेय का भुगतान न करने और विकास कार्य में गड़बड़ी का आरोप लगाया।

सरायइनायत थाना क्षेत्र के दलापुर गांव में सोमवार को ग्रामीणों ने पंचायत सहायक एवं विकास कार्य में अनियमितता का आरोप लगाकर ग्राम प्रधान एवं सफाईकर्मियों को पंचायत भवन में बंधक बना लिया और अधिवक्ता नवीन द्विवेदी पंचायत भवन के गेट के सामने धरने पर न बैठ गए। साथ सूचना पर एसओ पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और प्रधान को मुक्त कराया तो ग्रामीणों से पुलिस की नोक झोंक होने लगी। पुलिस ने किसी तरह ग्रामीणों को समझा बुझा कर शांत कराकर वहां से हटा दिया पर इसी बीच नवीन की तबियत खराब हो गई।

गांव में कई दिनों से ग्रामीण ग्राम प्रधान द्वारा पंचायत सहायक नीलांचल का एक वर्ष से बकाया मानदेय के भुगतान एवं विकास कार्य में अनियमितता के आरोप में अधिवक्ता नवीन द्विवेदी के नेतृत्व में विरोध कर रहे हैं। विरोध में अधिवक्ता नवीन पंचायत भवन पर अनशन पर बैठे थे।

शनिवार को शाम नायब तहसीलदार विवेक पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपों की जांच कराने का आश्वासन देकर अनशन समाप्त कराया और पंचायत भवन में ताला बंद कराकर चाभी हल्का लेखपाल रवींद्र रावत को सुपुर्दगी में दे दिया।

सोमवार को ग्राम प्रधान रामचंद्र सोनकर सफाईकर्मियों जगमल बिंद एवं अजय कुमार यादव के साथ पहुंचे और दूसरी चाभी से पंचायत भवन का ताला खोलकर कुछ काम करने लगे। अधिवक्ता नवीन को जानकारी हुई तो वे ग्रामीणों के साथ वहां पहुंच गए। ग्रामीणों के पहुंचने पर सुरक्षा की दृष्टि से प्रधान ने अंदर से पंचायत भवन बंद कर दिया। इसी बीच ग्रामीणों ने गेट बाहर से बंद कर दिया और नवीन धरने पर बैठ गए। प्रधान और सफाई कर्मियों के बंधक होने की सूचना पर चौकी इंचार्ज रामायण सिंह मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों से प्रधान द्वारा पंचायत भवन का ताला खोलने को लेकर बहस होने लगी और ग्रामीण जिलाधिकारी को बुलाने की मांग करने लगे।

जानकारी होने पर एसओ संजय गुप्ता पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और पंचायत भवन की कुंडी खोलकर प्रधान और सफाईकर्मियों को मुक्त कराया तो एसओ से ग्रामीणों की नोकझोंक होने लगी। पुलिस ने किसी तरह ग्रामीणों को शांत कर वहां से हटाया। इसी बीच नवीन की तबियत बिगड़ गई। जानकारी होने पर एसीपी थरवई कई थानों की फोर्स के साथ पहुंचे तब तक ग्रामीण की भीड़ वहां से जा चुकी थे।

बस की टक्कर से बाइक सवार राजमिस्त्री घायल

प्रयागराज। लखनऊ–प्रयागराज नेशनल हाईवे के मंसूराबाद बाईपास पर रविवार को रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार राजमिस्त्री घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल राजमिस्त्री को सीएचसी भेज दिया।

फागुनी उत्सव के रंगारंग कार्यक्रम में साकिब सिद्दीकी 'बादल' 'साहित्य सेवी सम्मान' से सम्मानित हुए

प्रयागराज। सारस्वत सभागार, लूकरगंज में लिटरेरी क्लब (इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा) के तत्त्वावधान में इलाहाबादी अंदाज के साथ फूलऔर गुलाल से होली उत्सव का आगाज किया गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में विश्व जन चेतना ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष साकिब सिद्दीकी बादल को उनकी उत्कृष्ट सांस्कृतिक एवं साहित्यिक सेवाओं के लिए क्लब ने इलाहाबादी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए इलाहाबादी अंदाज में उन्हें अंग वस्त्रम, स्मृति चिह्न, पुष्प गुच्छ प्रशस्ति–पत्र,'साहित्य सेवी सम्मान–2026श से सम्मानित किया। 'रंगों की आध्यात्मिकताश परिचर्चा में युवा साहित्यकारों

द्वारा रंगों के विभिन्न आयामों पर बेहतरीन शब्द चित्र खींचे गए तथा एक–दूसरे पर पुष्प वर्षा करते हुए इलाहाबादी अन्दाज में गुलाल लगाया गया। लिटरेरी क्लब के सचिव डॉ. प्रदीप कुमार चित्रांशी ने कहा कि साहित्य सेवा के लिए युवा साकिब सिद्दीकी और उनकी टीम सामाजिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक सेवा में लगे हुए हैं, जो आगे आने वाले समय में हम जैसे साहित्यिक लोगों को हमेशा जीवन्त रखने का काम करेगें। आज के समय में लोग सोशल मीडिया और मोबाइल में अत्यधिक व्यस्त होते जा रहे हैं, जिससे उनका पुस्तकों और साहित्य से जुड़ाव कम होता जा रहा है। इसी स्थिति को देखते हुए साहित्य प्रेमियों को पुनः पुस्तकों, विचार–चर्चाओं और साहित्यिक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से इस मंच की स्थापना की गई है।

इस अवसर पर डॉ. राहुल शुक्ल 'साहिल' ने रंगों के वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय महत्व पर अपने विचार साझा किए, जिसे सभी ने अत्यंत उपयोगी बताया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने साकिब सिद्दीकी 'बादल' को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। साकिब सिद्दीकी बादल ने कहा कि लिटरेरी क्लब (इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा) हम जैसे युवाओं के लिए अच्छा माध्यम है,साहित्य से जुड़ने का जिससे हमें अपनी संस्कृति का पता चलता है और अपनी बात बोलने, सीखने व समझने का अवसर मिलता है। संध्या कनौजिया ने सबका स्वागत किया तथा साधना गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में ज्योति चित्रांशी, युवा चेतना शक्ति की अध्यक्ष संध्या कनौजिया श्रीजी, अंजलि पाल, दीप किशन कनौजिया, अंकुर कनौजिया, सरजीत गौतम, पूजा संकल्प, साधना गुप्ता, अंशुमान गुप्ता , प्रीतम राज प्रजापति, विनीत तिवारी, नन्दनी दुबे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का लिया जायजा

प्रयागराज। प्राथमिक विद्यालय डीही खुर्द में तहसीलदार कोरांव विनय कुमार बरनवाल की अध्यक्षता में विशेष मतदाता पुनरीक्षण का आयोजन किया गया। तहसीलदार ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि छह मार्च है। इस मौके पर लेखपाल अरविंद पटेल, बीएलओ राजकुमारी, शिव देवी, कामता प्रसाद शुक्ल और भास्कर प्रसाद मिश्र आदि मौजूद रहे।

दो माह पहले बने मनसैता नदी के पुल का अगला हिस्सा धंसा

प्रयागराज। सिकंदरा कस्बे में मनसैता नदी पर ढाई करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ पुल दो महीने में ही जवाब दे गया। पुल का अगला हिस्सा धंसने से आवागमन खतरे में हो गया है। ग्रामीणों ने डीएम से कार्यदायी संस्था पर कमीशन खोरी और गुणवत्ताहीन पुल बनाए जाने की शिकायत की है।

सोरांव फूलपुर रोड पर सिकंदरा कस्बे में मनसैता नदी पर बना पुल जर्जर होने से उसी के बगल में दूसरा नया पुल लोक निर्माण विभाग की ओर से ढाई करोड़ की लागत से बनाने का काम शुरू किया गया। साठ मीटर लंबे पुल को बनाने में कार्यदायी संस्था द्वारा दो वर्ष से अधिक समय लग गया। किसी तरह दो माह पूर्व पुल बनकर तैयार हुआ और आनन फानन में बिना उद्घाटन के ही चालू कर दिया गया। वाहनों का आना जाना शुरू हुआ तो पुल का अगला हिस्सा धंस गया। नए पुल का अगला हिस्सा धसने से लोग पुराने पुल से आना–जाना शुरू कर दिया है।

मनसैता नदी पर बना पुल प्रतापगढ़, जौनपुर, भदोही और वाराणसी आदि जिलों को जोड़ता है। प्रतिदिन औसतन 300 से अधिक भारी वाहन इस पुल से निकलते हैं। इनमें ज्यादातर मौरंग, गिट्टी, बालू, सरिया व सीमेंट आदि लदे ट्रक, डंपर, ट्रॉला जैसे वाहन शामिल रहते हैं। इसके साथ ही यह पुल बहरिया विकास खंड के अलावा सोरांव, फूलपुर, हडिया विकास खंड के सैकड़ो गांवों को भी एक दूसरे को जोड़ता है। एक लाख से अधिक ग्रामीण रोज इसी पुल से मुख्यालय आते जाते हैं।

मनसैता पुल बिना उद्घाटन के चालू तो कर दिया गया लेकिन अभी तक पुल को छोड़कर आगे पीछे सपोर्टिंग वॉल नहीं बनाई गई। जिससे किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। घना कोहरा और अंधेरे में यदि वाहन सड़क से नीचे चले गए तो कई फीट गहराई में समा जाएंगे। ग्रामीणों ने पुल के आगे पीछे भी सपोर्टिंग वॉल बनाने की मांग की है।

कमीशन खोरी के चक्कर में पुल के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। मानक के अनुसार पुल न बनने से दो महीने में ही धंस गया। जिससे आवागमन खतरे में है। गुणवत्ताहीन निर्माण की शिकायत जिला अधिकारी से की गई है। – मनीषा नंद मिश्रा, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य तुलापुर, सिकंदरा

लोक निर्माण विभाग की ओर से सिकंदरा में मनसौता नदी पर बनाया गया पुल घटिया किस्म का है। भ्रष्टाचार के चलते जनता का पैसा बर्बाद किया गया। इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।– अशफाक अहमद, जिला अध्यक्ष कांग्रेस गंगापार

सिकंदरा का पुराना पुल जर्जर हो चुका था। नया पुल बनने से लगा कि लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। लेकिन दो महीने में ही पुल खराब हो गया। लोक विभाग के कर्मचारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।– बबलू दूबे, मंडल अध्यक्ष, भारती किसान यूनियन प्रयागराज

पुल के नीचे जॉइंट पर मिट्टी बैठ गई है। जिसके कारण पुल का अगला हिस्सा धंस गया है। जल्द ही मरम्मत करवा कर पुल को ठीक करवा दिया जाएगा। भूपेंद्र वर्मा, अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग, प्रयागराज

मलिन बस्तियो का आर्थिक व शैक्षिक सर्वेक्षण

प्रयागराज। आज राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई संख्या 31 तथा 71 के स्वयं सेवकों ने सी एम पी डिग्री कालेज प्रयागराज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में इकाई संख्या 31 के स्वयं सेवक मलिन बस्ती छित्तपुर तथा इकाई संख्या 71 के स्वयं सेवक आलोपी बाग मलिन बस्ती में आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण का कार्य अपने कार्यक्रम अधिकारीयों के उपस्थित में

किया जिसमें गरिब परिवार के लोगों के आय से सम्बंधित, रहने के लिए मकान ,पीने के लिए पेयजल, तथा बच्चों के पठन – पाठन और उनके रहने के लिए अनुकूल व्यवस्था है कि नही , बिजली की व्यवस्था घर में है , कितने लोगों को रोजगार मिला है, कितने लोग बेरोजगार हैं ,परिवार में सदस्यों के हिसाब से आय है कि नही ,वोटर आईप्ट में नाम है कि नही ,कितने लोगों को वृद्धा पेन्शन मिलता है ,कितने लोगों को नही मिलता है जबकी पात्र हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ इन गरिब बस्तीयों में मिलता है कि नही, स्वयं सेवकों ने बहुत मार्मिक ढंग से बैठकर पूछकरके कालेज से दिये हुए फारमेट को पूर्ण किया बाद में स्वयं सेवकों को नास्ता दिया गया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजेश कुमार यादव और डॉ यशवक्त कुमार उपस्थित रहे और सर्वेक्षण का कार्यक्रम होने के बाद कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के द्वारा किया गया।

भयहरण नाथ धाम में महिला दिवस पर परंपरागत होली उत्सव 8 मार्च को तैयारी बैठक 1 मार्च को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में परम्परागत होली उत्सव का आयोजन 8 मार्च को होगा। होली उत्सव में भगवान भोले भयहरण नाथ महादेव सहित सभी देवी देवताओ के साथ भस्म व फूलों की होली में नियमित भक्तगण , पुजारी, संतगण व प्रबन्ध समिति सदस्य मंदिर मेला समिति के सदस्य गण व विशिष्ट जन प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर होली व महिला

दिवस पर आधारित विविधा लाक सांस्कृतिक कार्यक्रम, फगुवा व काव्य पाठ क ी प्रस्तुतियां होंगी। यह जानकारी देते हुए महासचिव स मा ज शेखर ने बताया कि प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी धाम में 8 मार्च को अपराह्न 2 बजे से भव्य होली उत्सव का आयोजन प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से किया जायेगा। होली उत्सव की तैयारी हेतु आगामी 1 मार्च को प्रबन्ध समिति की बैठक अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में बुलाई गई है। होली उत्सव में विधायक जीत लाल पटेल व नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र नीरज व सचिव कार्यक्रम आलोक बैरागी को आयोजन के संयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। महिला दिवस के अवसर पर होने वाले इस होली उत्सव में विशिष्ट महिलाओ की भागीदारी व सहभागिता होगी। कार्यक्रम को अंतिम रूप 1 मार्च को प्रबन्ध समिति की बैठक में दिया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता

में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ रागिनी राय एवं विशिष्ट अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं डॉ सुमन सिंह रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति तृप्ति यादव द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। सभी महिला रचनाकारों ने अपनी मौलिक रचनाओं के पाठ से आज की इस काव्यगोष्ठी को सफल बनाया। इस काव्य गोष्ठी में तृप्ति यादव ने श्मैं तुमसे बस तुम्हें ही चाहूं श, डॉ रीना श्रीवास्तव ने श्वर्तमान समय श,डॉ रेनू राय ने श्चांद कहना कम होगा श, डॉ सुमन सिंह नेश्परिचयश, डॉ पूनम श्रीवास्तव ने श्कैद है सच्चाईश,श्मां शारदेश, डॉ मधु पाठक ने श्पानीश, श्रफ्तार का कहरश, रचना पढ़ी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ मधु पाठक ने किया।

पोस्टर चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेता हुए पुरस्कृत

पृथ्वी को बचाने के लिए सभी को एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिएः कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा

प्रयागराज। प्रयाग सेवा संगम संस्था ने अपने पोस्टर कला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता जिसका आयोजन एक फरवरी को हुआ था आज उसका पुरस्कार वितरण समारोह एवं अपनी वार्षिक बैठक का आयोजन बाजवा निवास सिविल लाइंस में किया, जिसके मुख्य अतिथि एस. के. पाल, एडीशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया उच्च न्यायालय इलाहाबाद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष मोहन ने की। पोस्टर प्रतियोगिता तीन ग्रुप एवं निबंध प्रतियोगिता में चार ग्रुपों में पुरस्कार दिए गए। समारोह में संस्था के सचिव राजेश श्रीवास्तव ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

तीन ग्रुप के पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अद्विता चौधरी, वान्या यादव, आयसा यादव को, द्वितीय पुरस्कार स्वास्ति गुप्ता, याशिता सिंह, समीक्षा पांडेय तथा तृतीय पुरस्कार सदकिन, वंश जवाहर, मृदुल गौतम को मिला। चार निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रज्ञा त्रिपाठी, प्रांजल त्रिपाठी, आर्यन वर्मा, अलीशा वर्मा को, द्वितीय पुरस्कार दिव्या

मिश्रा, पल्लवी शर्मा, रोहित गौड़, समीक्षा पांडेय को तथा तृतीय पुरस्कार अर्पिता शुक्ला, शिवालिका दीप्ति, अपर्णा, काव्या मिश्रा को मिला। इसके अतिरिक्त सभी ग्रुपों में सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए व सभी निर्णायकों को भी मंच पर सम्मानित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के विख्यात चित्रकार रवीद्र कुशवाहा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए सभी को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए जो पेड़ बनाकर मनुष्य को जीवनदायिनी आक्सीजन प्रदान कर सके और मौसम के असंतुलन को ठीक कर सके। मुख्य वक्ता रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने बिखरते परिवार को बचाने का संकल्प रखते हुए समाज को संयुक्त परिवार की अवधारणा व खूबियां बताई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से हुआ एवं इसका समापन राष्ट्रगान के गायन से हुआ। कार्यक्रम में मिल्कियत सिंह बाजवा, मिसेज बाजवा, शैलेश श्रीवास्तव, शादमा सहित सैकड़ो गणमान्य एवं छात्र सहभागी रहे।

जिलाधिकारी की संवेदनशील पहल से विधवा महिला को मिली आर्थिक सहायता व अन्त्योदय कार्ड

प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम एक बार फिर जरूरतमंदों के लिए उम्मीद की किरण साबित हुआ। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने दूर–दराज ग्रामीण अंचलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। जनसुनवाई के दौरान अदमापुर (सण्डवा चन्द्रिका) निवासी मीरा देवी पत्नी स्वर्गीय पूर्णवासी को राहत प्रदान की गई।

जिलाधिकारी ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए जिला राइफल क्लब प्रतापगढ़ के खाते से त्वरित आर्थिक मदद हेतु 20 हजार रुपये का चेक उन्हें सौंपा। इसके साथ ही पूर्ति विभाग की ओर से उन्हें अन्त्योदय राशन कार्ड का लाभ भी उपलब्ध कराया गया, जिससे अब उनके परिवार को नियमित रूप से सस्ता खाद्यान्न मिल सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ हेतु कार्यवाही

प्रक्रियाधीन है, जल्द ही उसका भी लाभ मीरा देवी को प्राप्त होगा।

उल्लेखनीय है कि 20 फरवरी 2026 की जनसुनवाई में जिलाधिकारी को मीरा देवी ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया था कि वह भूमिहीन और अत्यंत गरीब विधवा हैं। उनके चार छोटे–छोटे बच्चे हैं और परिवार के भरण–पोषण का कोई स्थायी साधन नहीं है। पक्का मकान न होने के कारण वह एक जर्जर छप्पर में बच्चों के साथ किसी तरह जीवन यापन कर रही हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास और अन्त्योदय राशन कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल जिला पूर्ति अधिकारी को अन्त्योदय कार्ड बनवाने के निर्देश दिए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें शीघ्र लाभ मिल सका।

जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने जनसुनवाई के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। मीरा देवी को मिली आर्थिक सहायता और राशन कार्ड से उनके परिवार को राहत मिली है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति भी मौजूद रहे।

ईसीसी बी.एससी. बायो ग्रुप (1977–79 बैच) का मिलन समारोह भावनाओं और कृतज्ञता के साथ सम्पन्न

प्रयागराजसरू मूपदह बेतपेजपंद ब्वससमहम (ईसीसी) के बी.एससी. बायो ग्रुप (1977द्79 बैच) के पूर्व छात्र लगभग पाँच दशकों बाद आयोजित भव्य मिलन समारोह में एकत्रित हुए। यह आयोजन मात्र एक मिलन नहीं था, बल्कि पुरानी स्मृतियों, स्नेहपूर्ण मित्रताओं और अपनी मातृसंस्था के प्रति कृतज्ञता का भावपूर्ण उत्सव था। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को गरिमामय और भावुक बना दिया। श्री अमित श्रीवास्तव की मधुर बांसुरी वादन ने कार्यक्रम की शुरुआत को अत्यंत मनोहारी बना दिया और उपस्थित सभी साथियों को उनके छात्र जीवन की कक्षाओं और प्रयोगशालाओं की यादों में पहुँचा दिया। कार्यक्रम के भावनात्मक क्षणों में श्री अनूप गोयल का आत्मीय उद्बोधन एवं मधुर गीत विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जिसने सभी के हृदय को स्पर्श किया। समारोह का मुख्य आकर्षण प्रयागराज की शान और सुप्रसिद्ध गायक भूपेन्द्र शुक्ला की मनमोहक प्रस्तुतियाँ रहीं। उनके गीतों और ग़ज़लों ने चार दशकों की स्मृतियों, संघर्षों और सफलताओं को सुरों में पिरोकर वातावरण को भावविभोर कर दिया। समारोह के दौरान स्मृति–चिन्ह एवं पुष्प भेंट कर सभी साथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने अपने जीवन–प्रवास की झलकियाँ साझा कीं।

यद्यपि सभी की जीवन–यात्राएँ अलग–अलग रहीं, परंतु सबकी शुरुआत ईसीसी की उन्हीं कक्षाओं से हुई थी। पुरानी कक्षाओं और प्रयोगशाला की बेंचों पर पुनः बैठना सभी के लिए अत्यंत भावुक क्षण रहा। उन पलों में वे अपने पद और उपलब्धियों से परे, फिर से वही छात्र बन गए थे। महाविद्यालय के प्राचार्य का संदेश पूर्व छात्रों के लिए स्वागत और सम्मान का प्रतीक बना तथा इस बात की पुष्टि की कि संस्था और छात्रों का संबंध आज भी उतना ही सशक्त है। इस आयोजन की सफलता में अनूप गोयल, दिनेश, हरीश, सुरेन्द्र एवं ज्योति सहित आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। साथ ही वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं सहपाठी अनिल तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। शाइरा संगीता ने संचालन किया तथा फरमूद इलाहाबादी ने अपनी हज़ल से सबको खूब हँसाया। समारोह का समापन कृतज्ञता और पुनर्मिलन की आशा के साथ हुआ। सभी साथियों ने भविष्य में भी इसी प्रकार मिलते रहने और 1977 में प्रारम्भ हुई इस यात्रा को स्नेहपूर्वक आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में हार्टफुलनेस की कार्यशाला का आयोजन

प्रधानाचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे और आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. सरिता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सीएमपी डिग्री कॉलेज के सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग और आईक्यूएसी द्वारा व्यक्तित्व और जीवन कौशल विकास तथा ध्यान पर आधारित छह

दिवसीय हार्टफुलनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्यक्तित्व और जीवन कौशल विकास पर कौशल विकास पाठ्यक्रम के समन्वयक और सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेल बीइंग की समन्वयक डॉ. रुचिका वर्मा ने छात्रों को कार्यक्रम की प्रासंगिकता से अवगत कराया। योग और ध्यान पर आधारित कौशल विकास पाठ्यक्रम की समन्वयक डॉ. रेणु चौधरी ने ध्यान में हार्टफुलनेस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश हार्टफुल एजुकेशन ट्रस्ट की समन्वयक श्रीमती ज्योति मिश्रा ने छात्रों को हार्टफुलनेस संगठन और युवाओं के कल्याण के लिए इसके कार्यक्रमों से परिचित कराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्र हार्टफुलनेस के उपकरणों जैसे ध्यान, विश्राम, शुद्धि और आंतरिक जुड़ाव का उपयोग करना सीखेंगे। ये उपकरण उन्हें आंतरिक संतुलन, सकारात्मक ऊर्जा और उपचार का अनुभव करने में मदद करेंगे। इस पांच दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास मानसिक, भावनात्मक और व्यवहारिक को बढ़ावा देना है। पहले दिन, कार्यक्रम की विशेषज्ञ श्रीमती राधा सक्सेना ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास पर चर्चा की, ताकि वे समाज के लिए अधिक उपयोगी बन सकें। अगले पांच दिनों में, छात्रों के साथ भावनात्मक नियंत्रण, आत्म–संबंध, समुदाय, अभिव्यक्ति में स्पष्टता और तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और सक्रिय भागीदारी निभाई। मनोविज्ञान विभाग की शोधार्थी और सेंटर फॉर हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग की छात्र स्वयंसेवक सैंड्रा बुएला और आकांक्षा सिंह ने कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

गुझिया भरे मिठास

(छप्पय)

गुजिया भरे मिठास सभी के घर आँगन में।
रंगों का त्योहार बसा जब सबके मन में।
है फागुन–उपहार बताते पापड़ भैया।
सेंव बनी नमकीन कहे देवर को सैया।
है अद्भुत अहसास की दिल के सारे बोल हैं।
रिश्तो के अनुवाद का किस्सा यह अनमोल है।।

गुझिया का जन्म कहानी नूतन– नूतन।
आए रिश्तेदार सजे हैं आँगन– उपवन।
खुशबू की भरमार कढ़ाई के है अन्दर।
दही बदलती रंग मगर तजकर आडंबर।
अपनेपन का भाव ले प्यार भरी यह रीत है।
रंग भरे माहौल में हल्ला–गुल्ला गीत है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

काशी में कवियों ने श्रोताओं पर बरसाया अपनी रचनाओं का गुलालः ऐसे मनाई 'Kaviसाथी' परिवार ने होली

वाराणसी। Kaviसाथी (महफ़िल कलम के दीवानों की) और शहर समता विचार मंच के संयुक्त तत्वाधान में काशी के गांधीनगर के आनन्द इंप्रेशन हॉल में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतापगढ़ के शायर डॉ अशोक अग्रहरि जी ने किया, विशिष्ट अतिथियों में प्रियंका अग्निहोत्री "गीतष, चेतना तिवारी और डॉ संगीता प्रजापति जी

शामिल रहीं। संस्था के संस्थापक डॉ अजय वर्मा "साथीष सहित संस्था के कार्यकारिणी सदस्यों में डॉ अमित अंजान, डॉ सर्वेश अग्रहरि, कृष्णा अग्रहरि "सरल', डॉ नीरज प्रजापति और डॉ अजय वर्मा जी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम लगभग साढ़े चार घंटे तक चला जिसमें कवियों ने विभिन्न विधाओं के रंग से अपनी रचनाओं का गुलाल बनाकर श्रोताओं को अपने–अपने रंगों में रंगा, श्रोताओं के आत्मीयता भरे उत्साहवर्धन ने कवियों के रचनाओं के गुलाल को आकाश दिया। कार्यक्रम का संचालन कौस्तुभ मिश्रा जी ने किया, कार्यक्रम में महान साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन जी के नाती मृत्युंजय त्रिपाठी ष्मलंगष जी सहित पूनम गुप्ता "पूर्वीष, उदय "भास्करष, शिवम पाठक, स्वास्तिक त्रिपाठी, सत्यवान साहब "ग़ाज़ीपुरीष, दीपू कृष्ण माला, शानवी गुप्ता, आद्या गुप्ता और मधुबाला जी की उपस्थिति रही।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः EL-C-PRYJ-10-25-26 दिनांक 23.02.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज** निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक **20.03.2026** समय **15.00** बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा सम्बन्धी विस्तृत विवरण निम्नवत् है-
निविदा खुलने की तिथि 20.03.2026

क्र.सं.1. निविदा संख्याः EL-C-PRYJ-10-25-26

कार्य का नामः 25 के.वी.ए.सी. इलेक्ट्रिफिकेशन वर्क फॉर बैलेंस वर्क ऑफ़ प्रयागराज यार्ड रिमोडलिंग वर्क (संक्सन अंडर अम्ब्रेला वर्क 2019-20) (P.B. Item No. 92 of 2019-20)

प्रकाशित कार्य की लागतः ₹ 17,01,57,452.40/-, **बोली प्रतिभूतिः** ₹ 10,00,800/-, **कार्य अवधिः** 18 माह

नोटः- 1. उपरोक्त सभी ई-निविदाओं का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर समय **15.00** बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 417/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

होली विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 02397/02398 शेखपुरा-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.- 02397 शेखपुरा-नई दिल्ली		स्टेशन	गाड़ी सं.- 02398 नई दिल्ली-शेखपुरा	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	11:30	शेखपुरा	14:45	----
21:25	21:30	प्रयागराज जं.	02:25	02:30
00:20	00:25	गोविन्दपुरी	23:20	23:25
03:58	04:00	टूण्डला	16:35	16:40
11:40	----	नई दिल्ली	----	13:30

शेखपुरा से:- गाड़ी संख्या 02397, दिनांक 01.03.2026 (रविवार)
नई दिल्ली से:- गाड़ी संख्या 02398, दिनांक 02.03.2026 (सोमवार)
गाड़ी संरचनाः- सामान्य श्रेणी- 04, स्लीपर श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 03, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

गाड़ी सं. 03697/03698 शेखपुरा-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.- 03697 शेखपुरा-नई दिल्ली		स्टेशन	गाड़ी सं.- 03698 नई दिल्ली-शेखपुरा	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	11:30	शेखपुरा	14:45	----
21:25	21:30	प्रयागराज जं.	02:25	02:30
00:20	00:25	गोविन्दपुरी	23:20	23:25
03:58	04:00	टूण्डला	16:35	16:40
11:40	----	नई दिल्ली	----	13:30

शेखपुरा से:- गाड़ी संख्या 03697, दिनांक 27.02.2026 से 02.03.2026 (सोम, मंगल, शुक्र, शनि), नई दिल्ली से:- गाड़ी संख्या 03698, दिनांक 28.02.2026 से 03.03.2026 (मंगल, बुध, शनि, रवि), **गाड़ी संरचनाः-** सामान्य श्रेणी- 08, स्लीपर श्रेणी- 12, एवं वातानुकूलित द्वितीय सह तृतीय श्रेणी- 02

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 413/26(A)

सम्पादकीय.....

भारत और चाबहार, एक रणनीतिक वापसी

दशकों तक, चाबहार परियोजना ने पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में भारत के प्रभाव के सबसे ठोस धुरी होने का वादा किया–एक ऐसा नागरिक प्रवेश द्वार, जो पाकिस्तान को दरकिनार कर सके, नई दिल्ली को स्थल–रुद्ध अफगानिस्तान से जोड़ सके और चीन की समुद्री पहुंच को संतुलित करने के लिए एक व्यापक 'नैकलेस ऑफ डायमंड्स' रणनीति को सहारा दे सके। लेकिन भारत और ईरान के बीच जो एक व्यावहारिक सांझेदारी के रूप में शुरू हुआ था–जिसे अक्सर सभ्यतागत संबंधों और रणनीतिक अभिसरण द्वारा आकार दिए गए 'हर मौसम के' रिश्ते के रूप में वर्णित किया जाता था–वह अब तीव्र दबाव में है। 2000 के दशक की शुरुआत में, भारत ने अफगानिस्तान और उससे आगे पहुंचने के लिए पाकिस्तान के आसपास के रास्तों की तलाश शुरू की। ओमान की खाड़ी पर ईरान की स्थिति के माध्यम से एक महत्वपूर्ण अवसर मिला। समय के साथ, भारत और ईरान ने चाबहार बंदरगाह पर शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल के विकास के लिए एक सहकारी ढांचा विकसित किया। 2016 में एक बड़ा बदलाव आया, जब भारत ने ईरान और अफगानिस्तान के साथ एक समझौता किया–जिसका उद्देश्य बंदरगाह के साथ–साथ उससे जुड़े परिवहन मार्गों का निर्माण करना था। भारत की ओर से भारी धन का प्रवाह हुआ, जिसमें केवल बंदरगाह के उन्नयन के लिए लगभग 120 मिलियन डॉलर खर्च किए गए, साथ ही सीमा पार बुनियादी ढांचे के काम के लिए अधिक ऋण उपकरण भी दिए गए। बाहरी फर्मों की बजाय, 'इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड' जैसी भारतीय संस्थाओं ने टर्मिनल चलाने का जिम्मा संभाला। फिर भी, वे महत्वाकांक्षाएं आज संदेह के घने कोहरे में तैर रही हैं। अब जबकि अमरीकी प्रतिबंध और भी मजबूत होकर वापस आ गए हैं, भारत को ईरान के साथ व्यापार करने के बारे में कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ रहा है, जहां जोखिम अब नाजुक राजनीति से टकरा रहे हैं। आर्थिक पहलुओं से परे, रणनीतिक दृष्टिकोण से भी चाबहार भारत के लिए महत्वपूर्ण है। चीन 'बैल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बी.आर.आई.) और 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' के माध्यम से बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे का निर्माण करके अपना प्रभाव बढ़ा रहा है–जिसमें दक्षिण चीन सागर से अरब सागर तक के मार्ग पर बंदरगाह शामिल हैं। इन घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया अपना स्वयं का 'नैकलेस ऑफ डायमंड्स' बनाना है जो भारत को रणनीतिक भागीदार और ओमान से लेकर दक्षिण–पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों तक हिंद महासागर के सभी क्षेत्रों में 'पहुंच' प्रदान करेगा। इस परिप्रेक्ष्य में, चाबहार पश्चिमी हिंद महासागर में भारत की उपस्थिति को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही पाकिस्तान में ग्वादर के माध्यम से चीन की पहुंच को सीमित करने का प्रयास भी करता है। हालांकि भारत ने पहले बंदरगाह पर काम जारी रखने के लिए सीमित छूट सुरक्षित कर ली थी, क्योंकि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मौन समर्थन देने में इसकी भूमिका थी। हालांकि, वर्तमान भू–राजनीतिक माहौल ने उन विकल्पों को संकुचित कर दिया है। रिपोर्टें बताती हैं कि चाबहार परियोजना के लिए छूट केवल 26 अप्रैल, 2026 तक ही वैध ा हो सकती है, जिससे भारत के लिए समय सीमित हो गया है। 2026–27 का केंद्रीय बजट इस तनाव का प्रतिनिधित्व करता प्रतीत होता है– चाबहार के लिए कोई आबंटन न होना संकोच और डरपोकपन का एक मजबूत संकेत भेजता है, जो एक महत्वपूर्ण क्षेत्र में जगह छोडने जैसा है जिसके भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रभाव पड़ेंगे। चाबहार परियोजना से पीछे हटना या अपनी प्रतिबद्धता को ढीला करना भारत की दीर्घकालिक क्षेत्रीय रणनीति और एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उसकी प्रतिष्ठा, दोनों को कमजोर करता है। चाबहार से पीछे हटने के गंभीर परिणाम होंगे। सबसे पहले, ईरानी और नजदीकी रणनीतिक स्थानों पर भारत की पकड़ कमजोर हो जाएगी। वित्तीय तनाव से जूझ रहे तेहरान के बीजिंग और मॉस्को पर अधिक निर्भर होने की संभावना बढ़ जाएगी–जहां पैसा और समर्थन आसानी से मिलता है–जिससे नई दिल्ली की भूमिका कम प्रभावी हो जाएगी। भारत अपनी किसी भी प्रमुख रणनीतिक संपत्ति को खोना बर्दाश्त नहीं कर सकता, क्योंकि भू–राजनीतिक परिदृश्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। चाबहार बंदरगाह भू–राजनीति के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र से भारत के पीछे हटने का एक उदाहरण है।

ए.आई. के लिए 'हां', लेकिन कुछ डर भी

पी. चिदम्बरम

आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस (ए.आई.) आ चुका है। यह सच है कि ए.आई. मानवीय क्षमताओं और उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगा। भारत के पास मानव संसाधनों का एक विशाल और बढ़ता हुआ खजाना है (कम से कम 2050 तक)। हालांकि, इसकी गुणवत्ता विकसित देशों के मानव संसाधनों से काफी भिन्न है। एक विकसित देश में, व्यावहारिक रूप से हर कोई स्कूली शिक्षा प्राप्त है और एक बड़ा हिस्सा कॉलेज–शिक्षित है। वहां जीवन भर सीखने और नए कौशल हासिल करने का अवसर है। भारत में, 'जनसांख्यिकीय लाभांश' अपने साथ जनसांख्यिकीय बोझ भी लेकर आता है। जबकि प्राथमिक स्तर पर स्कूली नामांकन बहुत अधिक है लेकिन उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध यमिक स्तरों पर नामांकन में हर चरण में गिरावट आती है। उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जी.ई.आर.) 45–50 प्रतिशत के बीच है। कॉलेज में नामांकित अधिकांश छात्र ऐसी स्नातक डिग्री प्राप्त करते हैं जो उन्हें 'कुशल' या 'रोजगार योग्य' नहीं बनाती है–यही मुख्य कारण है कि युवा पुरुषों और महिलाओं के लिए उपयुक्त नौकरी खोजना एक कठिन कार्य है। मैंने श्री डारियो अमोदेई (सी.ई.ओ., एंथ्रोपिक) के कॉपीराइट वाले 38 पन्नों के निबंध 'द एडोलेसेंस ऑफ टैक्नोलॉजी' का सारांश पढ़ा है। आर्थिक व्यवधान पर, वह कहते हैं कि ए.आई. श्रम बाजारों को 'अभूतपूर्व गति से और व्यापक व्यावसायिक श्रेणियों में बाधित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से नौकरियों का एक बड़ा हिस्सा विस्थापित हो सकता है, विशेष रूप से निकट भविष्य में व्हाइट–कॉलर काम।' यह डरावना है। भारत में एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि ए.आई. जाति को पहचानता है। यदि मनुष्यों ने ए.आई. को जाति–पूर्वाग्रह सिखाया है, तो यह और भी डरावना है। माननीय प्रधानमंत्री सही हैं कि ए.आई. भविष्य और भाग्य के द्वार खोलेगा। लेकिन यह डर भी है कि नौकरियां चली जाएंगी। माइक्रोसॉफ्ट के सी.ई.ओ. ने कहा कि व्हाइट कॉलर नौकरियों में कई कार्यों को स्वचालित किया जाएगा। कंपनी ने 2025 में हजारों नौकरियां खत्म कर दीं। टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज ने 2025 में घोषणा की कि वह पुनर्गठन अभ्यास के हिस्से के रूप में 12,000 से अधिक कर्मचारियों को 'छोड़' देगी। भारत में वर्तमान 'आधिकारिक' बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत है लेकिन हम जानते हैं कि यह अधिक है। युवा बेरोजगारी दर 15 प्रतिशत है। लगभग 55 प्रतिशत 'नियोजित' लोग स्व–रोजगार या आकस्मिक श्रम में हैं। समृद्ध क्षेत्रों में, कृषि कार्य पहले से ही मशीनीकृत हैं। यदि शहरी ब्लू–कॉलर नौकरियां भी दुर्लभ हो जाती हैं और बेरोजगारी सूचना प्रौद्योगिकी जैसे 'कुशल' क्षेत्रों में शिक्षित युवाओं तक फैल जाती है, तो स्थिति विस्फोटक हो जाएगी।

जहां तक मुझे पता है, भारत सहित दुनिया अभी तक समाधानों के साथ तैयार नहीं है। मुख्य आध्थक सलाहकार ने उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (जनसांख्यिकीय गिरावट का सामना करने वाले, जहां ए. आई. एक प्लस हो सकता है) और विकासशील देशों (जहां ए. आई. राज्य की क्षमता के लिए एक 'स्ट्रैस टैस्ट' होगा) पर ए. आई. के प्रभाव के बीच अंतर किया। स्वाभाविक रूप से, समाधान अलग होंगे। उनका समाधान यह है कि 'निरंतर निष्पादन भारत को पहला बड़ा समाज बनने में मदद कर सकता है.. . जो बड़े पैमाने पर रोजगार के साथ तकनीकी अपनाने को संरेखित करता है।' काश समाधान इतना सरल होता। प्रौद्योगिकी को लगातार अपनाने के शुरुआती परिणाम नौकरियों में कमी के रूप में सामने आए हैं, कम से कम भारतीय कारखानों में। लेकिन जैसा कि 'इकोनॉमिस्ट' कहता है, 'आविष्कार और प्रसार' के बीच समय है और उन कठिन उपायों को करने के लिए भी, जो तकनीक अपनाने के प्रभाव को अवशोषित करेंगे। उदाहरण के लिए, नौकरी चाहने वालों और नौकरियों की विशाल संख्या को देखते हुए, भारत को तैयार रहना चाहिए–यह पहचानने के लिए विकसित देशों के विपरीत, भारत को उन युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार की नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता है, जो स्कूल के उच्च प्राथमिक, माध्यमिक या उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ सकते हैंय

–गैर–विज्ञान विषयों में कई 'पास' पाठ्यक्रमों को बंद करना और छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा, एस.टी.ई.एम. या कौशल पाठ्यक्रमों की ओर मोडनाय–शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण प्रबंधन में बड़े पैमाने पर निवेश करनाय–स्थानीयक्षेत्रीय बाजार विकसित करना जो स्थानीय या क्षेत्रीय बैंकों द्वारा सम्रगस्थित गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन और उपभोग करेंगे, न कि केवल बड़े व्यवसाय, बड़े बाजार, बड़ी चेन और बड़े बैंकों के प्रति जुनूनी होनाय–यह स्वीकार करना कि वर्तमान समय में, एम.एस.एम.ई. भारत में सबसे बड़े रोजगार सृजक हैं। यदि ए.आई. एम.एस.एम.ई. की मदद कर सकता है–जैसा कि सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने वादा किया है–तो एम.एस.एम. ई. अधिक नौकरियां पैदा करने में सक्षम होंगे। सी.ई.ए. ने उल्लेख किया है कि भारत को 'हर साल कम से कम 80 लाख नौकरियां' पैदा करने की आवश्यकता है। आवश्यक संख्या अधिक होगीय तथा–उन लोगों से अपेक्षा करना, जो ए.आई. को अपनाएंगे और जिसके परिणामस्वरूप नौकरियां खत्म करेंगे, कि वे उतनी ही संख्या में नौकरियां पैदा करें। हमें श्री जेमी डिमन (सी.ई.ओ., जे.पी. मॉर्गन चेस) से सहमत होने और 'ले–ऑफ' (छंटनी) पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता नहीं है। 'कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' (सी.एस.आर.) ने व्यवसायों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा की है, उसमें नौकरी सृजन की जिम्मेदारी भी शामिल होनी चाहिए। बिना नौकरी या कम नौकरियों वाली दुनिया एक डरावने भविष्य की ओर ताकेगी। 'काम' एक इंसान को परिभाषित करता है। भोजन की तलाश के अलावा कोई अन्य जीवित प्राणी स्वेच्छा से काम नहीं करता। यदि ए.आई. हमारा सारा काम करेगा और सभी के लिए समृद्धि लाएगा, तो इंसान क्या करेंगे? जबकि अगले कुछ वर्षों के दौरान ए.आई. का प्रभाव सामने आएगा, यह इस प्रश्न पर विचार करने का समय है।

क्या भारत यूरोपीय संघ को वस्त्र निर्यात के मामले में बंगलादेश को पीछे छोड़ सकता है?

अर्नब चक्रवर्ती

भारत का वस्त्र उद्योग वैश्विक निर्यात बाजारों में लगातार पिछड़ता जा रहा है। इसके विपरीत, बंगलादेश ने निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हाल ही में हस्ताक्षरित भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफ. टी.ए.) और बंगलादेश के अल्प विकसित देश (एल.डी.सी.) का दर्जा समाप्त होने की संभावना को देखते हुए, यह भारत के वस्त्र उद्योग के लिए एक सुनहरा अवसर है। वस्त्र मूल्य शृंखला के भीतर, यूरोपीय संघ को भारत का निर्यात मुख्य रूप से तैयार कपड़ों जैसे टी–शर्ट, शर्ट और ट्राऊजर की बजाय मध्यवर्ती उत्पादों (विशेष रूप से धागे और कपड़े) पर केंद्रित है। बंगलादेश का निर्यात विशेष रूप से 2 श्रेणियों के तैयार कपड़ों में भारत से कहीं अधिक है, बुने या क्रोशिया से बने वस्त्र (जैसे टी–शर्ट, जर्सी, पुलओवर, स्वैटर और काध्डगन) और बुने हुए वस्त्र (जैसे सूट, जैकेट, ट्राऊजर, ड्रैस और शर्ट)।

बुने हुए,क्रोशिया किए गए वस्त्रों के लिए यूरोपीय संघ के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी 2009 में लगभग 6. 5 प्रतिशत से घटकर 2023 में लगभग 4.4 प्रतिशत रह गई। वहीं, बंगलादेश की हिस्सेदारी 2000 में मात्र 6 प्रतिशत से बढ़कर 2009 में 13 प्रतिशत और 2023 तक 26 प्रतिशत हो गई। बुने हुए वस्त्रों के व्यापार में भी इसी तरह का रुझान देखने को मिलता है। बुने हुए वस्त्रों के मामले में, यूरोपीय संघ को भारत के नाममात्र निर्यात मूल्य में निरपेक्ष रूप से गिरावट आई है, जो लगभग 3. 5 अरब डॉलर के शिखर से गिरकर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। सभी उत्पादों में भारत की प्रति इकाई कीमत लगातार बंगलादेश से अधिक है। इससे निम्नलिखित संकेत मिल सकते हैं रू पहला, भारत अधिक मूल्यवर्धित, बेहतर गुणवत्ता वाले वस्त्रों का निर्यात कर रहा होगा, जिससे वह अधिक कीमतें वसूलने में सक्षम है। हालांकि, इसकी कम बाजार हिस्सेदारी से पता चलता है कि आम बाजार में बिकने वाले परिधानों की तुलना में ऐसे उत्पादों की यूरोपीय संघ में मांग सीमित है, जिससे संकेत मिलता है कि केवल 'प्रीमियम पोजीशनिंग' (यदि संभव हो तो) से बिक्री में वृद्धि नहीं हो सकती। दूसरा, और अधिक संभावित कारण यह है कि ऊंची कीमतें संरचनात्मक कमियों को दर्शाती हैं–उच्च उत्पादन लागत, कम एकीकृत आपूर्ति शृंखलाएं और रसद संबंधी अक्षमताएं। इसके अलावा, भारतीय और बंगलादेशी उत्पादों पर लगने वाले शुल्क में भी काफी अंतर है। बंगलादेश, एक अल्पविकसित देश होने के नाते, यूरोपीय संघ में शुल्क–मुक्त और कोटा–मुक्त प्रवेश का लाभ उठाता रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शून्य–टैरिफ पहुंच तब भी लागू होती है, जब वस्त्र यूरोपीय संघ की मानक 'दोहरे परिवर्तन' की आवश्यकता को पूरा नहीं करते। इसका मतलब यह है कि बंगलादेश दुनिया में कहीं से भी कपड़ा आयात कर सकता है, घरेलू स्तर पर कपड़े सिल सकता है और उन्हें शून्य शुल्क पर यूरोपीय संघ को निर्यात कर सकता है। भारत को इस तरह की तरजीही सुविधा प्राप्त न होने के कारण यूरोपीय संघ के मोस्ट फेवर्ड नेशन (एम.एफ. एन.) टैरिफ के तहत लगभग 12 प्रतिशत का भुगतान करना पड़ता है। दो प्रमुख संरचनात्मक बदलाव निकट भविष्य में दिखाई देने वाले हैं। सबसे पहले, बंगलादेश 2029 में अपने ई.बी. ए. लाभ खोने वाला है। इसका अर्थ होगा यूरोपीय संघ में स्वतरू शुल्क–मुक्त प्रवेश का अंत और परिधान निर्यात पर संभावित रूप से लगभग 12 प्रतिशत का एम. एफ.एन. (फाइनल फॉरेन नेटिव) टैरिफ लग सकता है। इसके बाद बंगलादेश यूरोपीय संघ की जनरलाइज्ड स्कीम ऑफ प्रैफरैंसेस प्लस (जी.एस.पी.) में प्रवेश करने का प्रयास करेगा, जो वस्त्रों सहित लगभग दो–तिहाई टैरिफ मदों पर शून्य टैरिफ प्रदान करता है। हालांकि, जी.एस.पी. में मूल के सख्त नियम (आर.ओ.ओ.) और सुरक्षा प्रावधान लागू होते हैं। बंगलादेश कपड़ों के लिए अन्य देशों (भारत सहित) पर काफी हद तक निर्भर है, इसलिए इसका मतलब यह हो सकता है कि बंगलादेश के वस्त्र शुल्क मुक्त प्रवेश के लिए जी.एस.पी.–आर.ओ.ओ. की शर्तों को पूरा न करें। ऐतिहासिक रूप से, यूरोपीय संघ दोहरे परिवर्तन मानदंड पर अपने रुख पर कायम रहा है। यदि वह ऐसा करना जारी रखता है, तो बंगलादेश को गंभीर नुकसान होगा। यदि प्रतिस्पर्धा मूल्य–आधारित है, तो बंगलादेश अपना बाजार हिस्सा खो सकता है। दूसरी ओर, यदि बंगलादेश का प्राथमिक लाभ आपूर्ति शृंखला एकीकरण से आता है, तो वह उच्च शुल्कों के बावजूद भी अपना प्रभुत्व बनाए रख सकता है। भारत–ई.यू. समझौते के तहत भारत को यूरोपीय संघ के कपड़ा बाजारों में शुल्क–मुक्त प्रवेश मिलेगा, बशर्ते 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया अनिवार्य हो। चूंकि भारत का कपड़ा उद्योग पहले से ही अपेक्षाकृत एकीकृत है (परिधान उत्पादन में प्रयुक्त अधिकांश धागे और कपड़े का निर्माण देश में ही होता है), इसलिए 2 चरणों वाली प्रसंस्करण प्रक्रिया भारतीय कपड़ा निर्यात के लिए कोई बाधा नहीं बनेगी। परिणामस्वरूप, भारतीय निर्यातक बिना किसी बड़े पुनर्गठन के मूल नियमों की कठोरता को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। वियतनाम के परिधान निर्यात का हालिया अनुभव, जिसमें 2020 में यूरोपीय संघ–वियतनाम मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के बाद उछाल देखा गया, भारत के लिए भविष्य में मौजूद अवसरों का संकेत है।

महात्मा गांधी और पंडित नेहरू आज की राजनीति में 'विलेन' क्यों?

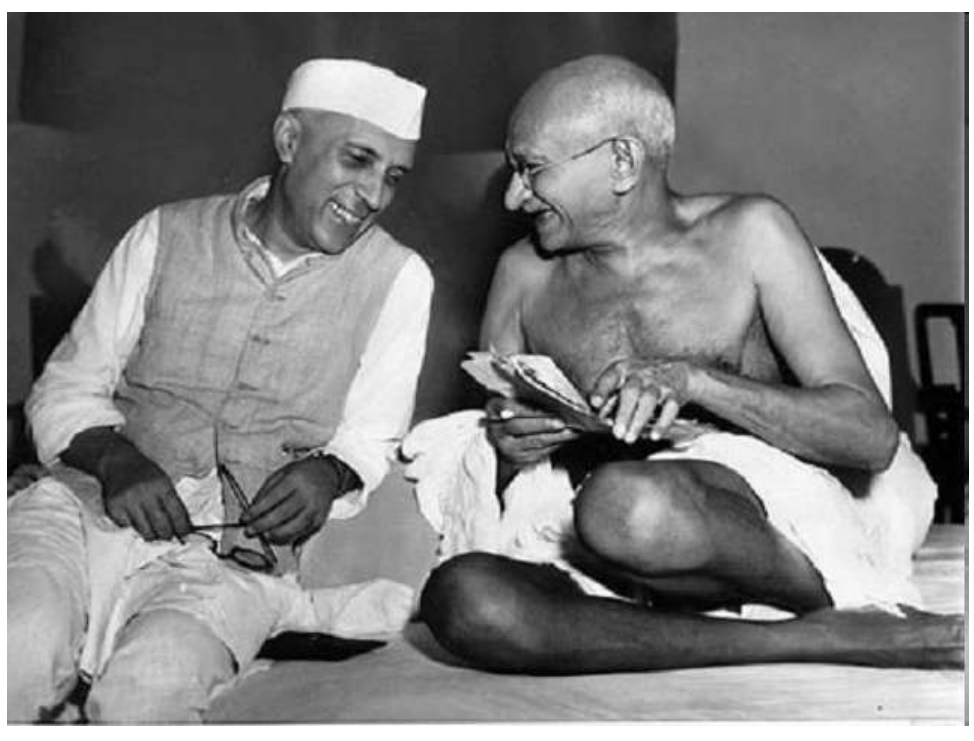

मा. मोहन लाल

स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के योगदान को कम करके नहीं देखा जा सकता। पता नहीं आज के तथाकथित राजनेता उन्हें गालियां क्यों देने लगे हैं? आज की पीढ़ी तो इन दोनों महापुरुषों के नाम और काम को भूल चुकी थी, देश के तथाकथित नेताओं ने उन्हें पुनः जिंदा कर दिया, परन्तु जिंदा उन्हें 'विलेन' के रूप में किया गया है, जिस पर मुझे ऐतराज है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी हासिल करने की कई समांतर लहरें चल रही थीं। परन्तु आजादी की जंग में शांति, अहिंसा, असहयोग और सत्याग्रह का शस्त्र उठा महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू और सरदार पटेल लड़ रहे थे। किसे कम या अधिक कहें? आजादी की सभी लहरों का एक ही उद्देश्य था, 'अंग्रेजो भारत छोड़ो'। आजादी की किस लहर का योगदान कम था? अंग्रेज यूं ही नहीं गया भारत को छोड़कर। उसने हिंदुस्तान को धर्म के नाम पर 2 टुकड़ों में बांट कर यहां से सदा के लिए चले जाने की ठान ली, जिसमें वह सफल रहा और हमने रूआंसे मुंह भारत को एक 'स्वतंत्र मुल्क' मान कर सिर झुका लिया। आज के तथाकथित नेता जो महात्मा गांधी को देश की सारी समस्याओं का मूल कारण मानते हैं, उन्हें पता ही नहीं कि महात्मा गांधी ने मोहम्मद अली जिन्ना के आवास पर जाकर उन्हें रोका कि पाकिस्तान की मांग छोड़ दो, यदि तुम देश का प्रधानमंत्री ही बनना चाहते हो तो इंडियन नैशनल कांग्रेस तुम्हें हिंदुस्तान का प्रधानमंत्री बनाने को तैयार है। परन्तु मोहम्मद अली जिन्ना टस से मस न हुए और देश बंट गया। महात्मा गांधी या पंडित जवाहर लाल नेहरू देश–विभाजन के कहां दोषी हुए? इतिहास जैसा है उसे वैसा ही रहने दिया जाए। नेता जी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, शहीद–ए–आजम भगत सिंह, स. ऊधम सिंह, पंडित नेहरू, स. पटेल और महात्मा गांधी सभी आजादी के परवाने थे। आजादी की फिलॉसफी गढ़ी लाल, पाल, बाल और गोपाल कृष्ण गोखले ने। आज के राजनेता आजादी का श्रेय किसी एक आजादी के परवाने को न दें। जिसने भी कुछ किया, अच्छा किया। 79 साल के बाद अपने पूर्वजों को कोसना, उन्हें देश की सारी समस्याओं के लिए दोषी ठहराना, अनुचित है। हमें अपने पूर्व नेताओं के प्रति नफरत नहीं, बल्कि आदर का भाव जागृत करना चाहिए। यूं ही देश में गढ़े मुर्दे मत उखाड़ो। नेहरू नए भारत के निर्माता हैं। गांधी इस देश के नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। उनका 'चरखा' तो प्राचीन संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने एक ही लंगोटी में जिंदगी काट दी। यहां तक कि 'इंगलैंड गोलमेज कांफ्रैंस' में भी एक लंगोटी और एक धोती में गए। महात्मा गांधी को 'महात्मा', 'बापू', 'राष्ट्रपिता' के अलंकार यूं ही नहीं मिले। महात्मा गांधी ने कलह हिंसा, अन्याय, अत्याचार तथा शोषण के निवारण के लिए अहिंसा का सहारा लिया। सत्याग्रह द्वारा दूसरे व्यक्ति के हृदय में सत्य के प्रति सम्मान जगा कर उसे देशहित में लाना ही उनका प्रमुख उद्देश्य था। सत्याग्रही झूठी प्रतिष्ठा के चक्र में अपने सत्य मार्ग को त्यागता नहीं। उपवास, असहयोग, सविनय अवज्ञा द्वारा सत्याग्रह को पवित्र बनाया जा सकता है। चरखे के पीछे की भावना थी कि हम सादा खाएं, सादा पहनें और अहं को छोड़ समाज में शांति से विचरण करें। अपने जीते जी उन्होंने कष्ट, आलोचना निंदा का हंसते–हंसते सामना किया, किसी के प्रति भी घृणा का भाव नहीं। महात्मा गांधी की 'आत्म विजय' की भावना से मनुष्य मन, इंद्रियों, शरीर, बुद्धि पर नियंत्रण कर सकता है। घृणा और भय को त्यागने से ही सत्य के दर्शन हो सकते हैं। महात्मा गांधी ईश्वरभक्त थे। वह सभी धर्मों का सत्कार करते थे। 'धर्म परिवर्तन' को गांधी जी अनुचित समझते थे।

लंदन की सड़कों पर खुल्लम-खुल्ला इश्क जाहिर करते दिखे कृति सेनन-कबीर बहिया, हाथों में हाथ थामें घूमता दिखा कपल

एक्ट्रेस कृति सेनन एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से उनका नाम बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ नाम जुड़ रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है, हालांकि उन्होंने अभी तक अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें कृति सेनन लंदन की सड़कों पर कबीर बहिया के साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो के बाद दोनों के रिश्ते की खबरों को एक बार फिर से हवा मिल गई। सामने आए वीडियो में कृति सेनन लंदन की सड़कों पर खुलेआम कबीर का हाथ थामे हुए दिखाई दे रही हैं और दोनों आपस में बातचीत करते हुए वॉक कर रहे हैं। इस दौरान कृति ने ब्राउन टॉप और डेनिम जींस के साथ जैकेट पहनी हुई है। उन्होंने अपने लुक को हाई बूट्स, खुले बाल और हल्के मेकअप के साथ पूरा किया। वहीं कबीर ब्लू ट्रैक सूट में नजर आए। दोनों का यह कैजुअल अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वहीं, इससे पहले कबीर बेदी को कृति की बहन नुपूर सेनन की शादी में एक्ट्रेस के साथ देखा गया था, जिसके बाद से दोनों के रिश्ते की चर्चा और तेज हो गई। हालांकि कृति और कबीर ने अपने रिश्ते को लेकर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें कई बार साथ में स्पॉट किया गया है। इसी वजह से फैंस दोनों को लेकर कयास लगाते रहते हैं। कृति सेनन ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई। वह दिलवाले, राबता, लुका छुपी, बरेली की बर्फी, हाउसफुल 4, पानीपत, मिमी, भेड़िया, शहजादा, आदिपुरुष, गणपथ, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में वह फिल्म तेरे इश्क में में दिखाई दीं, जिसमें उनके साथ धनुष मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

> निकाह के बाद से ही मावरा होकेन इससे जुड़ी हर रस्म की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। बात पक्की, हल्दी सेरेमनी की तस्वीरों के बाद अब मावरा होकेन ने मेहंदी सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं।

कई जन्म भी लूं, तो भी उनका कर्ज नहीं चुका पाऊंगा..जेल से बाहर आने के बाद पत्नी को लेकर बोले राजपाल यादव

एक्टर राजपाल यादव इन दिनों 9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। वो अपनी भतीजी की शादी के लिए जमानत पर बाहर आए थे और इस मामले में अगली सुनवाई 18 मार्च को होनी हुई। वहीं, जमानत पर बाहर आए राजपाल यादव इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने बुरे वक्त में हरदम साथ देने के लिए पत्नी राधा का आभार व्यक्त किया और इमोशनल भी हो गए। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राजपाल यादव ने अपनी पत्नी राधा यादव के बारे में कहा, "अगर मैं कई बार जन्म भी ले लूं, तो भी मैं उनका कर्ज या उन्होंने मेरे लिए जो किया है उसका एहसान नहीं चुका पाऊंगा। उन्होंने पूरे परिवार को एकजुट रखा है और हर मुश्किल में मेरा साथ दिया है। चेक बाउंस मामले के बारे में राजपाल ने कहा, "मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए मैं अभी ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। जल्द ही, मैं अपनी लीगल टीम के साथ, सभी सबूतों और तथ्यों के साथ मीडिया के सामने अपना पूरा पक्ष रखूंगा। बता दें, राजपाल यादव ने साल 2010 में अपनी पहली निर्देशित फिल्म अता पता लापता के लिए दिल्ली स्थित मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही और वो कर्ज नहीं चुका पाए। बाद में जारी किए गए सात चेक बाउंस हो गए और एक्टर 9 करोड़ के कर्जदार हो गए। इसी मामले में उन्हें जेल जाने की नौबत भी आई। वहीं, अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी।

तुम्हारे साथ रहना सपनों जैसा..वेडिंग एनिवर्सरी पर पति के लिए रकुल का प्यार भरा पोस्ट, जैकी ने भी लेडीलव के लिए खोला दिल

एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह और एक्टर जैकी भगनानी ने हाल ही में शादी के 2 साल पूरे कर लिए हैं। कपल ने 21 फरवरी, साल 2024 में सात फेरे लिए थे और इसके बाद यह दंपत्ति अक्सर एक–दूजे के लिए प्यार जाहिर करता नजर आया। वहीं, अपनी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी पर रकुल और जैकी फिर से एक–दूजे के लिए प्यार से भरे नजर आए और स्पेशल पोस्ट शेयर कर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। सैकंड वेडिंग एनिवर्सरी पर रकुलप्रीत सिंह ने जैकी के लिए एक दिल छू लेने वाला पोस्ट किया और लिखा–मेरे प्यार को शादी की दूसरी सालगिरह की शुभकामनाएं। तुम बिल्कुल मेरे सपनों की तरह हो। तुम्हारे साथ रहना सपनों जैसा ही है। तुम मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट और सबसे अच्छे दोस्त हो। इन सबके साथ ही तुम एक नर्म दिल इंसान भी हो। तुम्हारा जीवन जीने के तरीके पर मुझे बहुत गर्व है। मेरे जीवन को प्यार, हंसी और रोमांच से भरने के लिए शुक्रिया। उम्मीद करती हूं कि आने वाले कई साल हम मिलकर खूबसूरत यादें बनाते रहेंगे। वहीं, जैकी भगनानी ने भी अपनी पत्नी के लिए लिखा, मेरी जिंदगी में तुम्हारी जगह को शब्दों में लिख पाना मुश्किल है। मैं शायद कभी पूरी तरह से ये नहीं बता पाऊं कि तुम मेरे लिए क्या हो, लेकिन आज मैं बस तुम्हें अपने जीवन में होने के लिए मेरी एक अच्छी दोस्त बनने और मेरी होने के लिए धन्यवाद कहना चाहता हूं। बता दें, रकुलप्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने शादी से पहले तीन साल तक एक दूजे को डेट किया था और फिर गोवा में एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की वेडिंग फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं।

उदयपुर में रश्मिका-विजय की शाही शादी, 26 फरवरी को आईटीसी मोमेंटोज में लेंगे सात फेरे

फिल्म एक्टर विजय देवराकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना 26 फरवरी को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी से तीन दिन पहले सोमवार को दोनों उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। आयोजन को निजी रखा गया है और इसमें सीमित मेहमानों को ही आमंत्रित किया गया है। शादी का आयोजन उदयपुर–नाथद्वारा हाईवे स्थित कैलाशपुरी के आईटीसी मोमेंटोज उदयपुर में किया जाएगा। होटल में 24, 25 और 26 फरवरी के लिए बुकिंग की गई है। जानकारी के अनुसार, कुल 230 मेहमान समारोह में शामिल होंगे और उनके लिए होटल के सभी 117 कमरे आरक्षित किए गए हैं। सभी मेहमान 24 फरवरी को होटल में चेक–इन करेंगे। समारोह को पूरी तरह प्राइवेट सेरेमनी के रूप में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें केवल परिवार और करीबी मित्र शामिल होंगे। आयोजन के दौरान 'नो फोन पॉलिसी' लागू रहेगी, ताकि अंदर की तस्वीरें सार्वजनिक न हों। इसके लिए एक विशेष सिक्योरिटी एजेंसी को भी नियुक्त किया गया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वेडिंग कार्ड वायरल हुआ, जिसमें उल्लेख था कि परिवार के आशीर्वाद से रश्मिका और विजय 26.02.26 को छोटे और निजी समारोह में विवाह करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऑनलाइन बधाई मिलने पर रश्मिका ने धन्यवाद भी दिया, जिससे शादी की खबरों को बल मिला। बताया जा रहा है कि समारोह के लिए दिल्ली का एक पॉपुलर बैंड आमंत्रित किया गया है, जो कई सेलिब्रिटी शादियों में प्रस्तुति दे चुका है। वहीं वेडिंग प्लानर हैदराबाद से बुलाया गया है, जो एक मशहूर टेनिस खिलाड़ी की शादी की योजना भी बना चुके हैं। उदयपुर में विवाह समारोह के बाद 3–4 मार्च को हैदराबाद में ग्रैंड रिसेप्शन आयोजित किए जाने की जानकारी है। इसमें फिल्म इंडस्ट्री की कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। रिसेप्शन बंजारा हिल्स के किसी प्रीमियम स्थल पर आयोजित होने की चर्चा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने 3 अक्तूबर को हैदराबाद में निजी समारोह में सगाई की थी। हालांकि आधिकारिक घोषणा नहीं की गई, लेकिन रश्मिका को कई मौकों पर एंगेजमेंट रिंग के साथ देखा गया। इससे पहले दोनों को हैदराबाद एयरपोर्ट से रवाना होते हुए भी देखा गया था। विजय देवराकोंडा के हैदराबाद स्थित घर को लाइट्स से सजाए जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था। उदयपुर की वादियों में होने वाले इस आयोजन को लेकर प्रशंसकों में उत्साह देखा जा रहा है।

शादी के 13 साल बाद पहली बार मां बनेंगी सरगुम मेहता? प्रेग्नेंसी की खबरों पर बोलीं एक्ट्रेस-आपको कैसे पता चला..

रवि दुबे और सरगुन मेहता फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल्स में से एक हैं। शादी के 13 साल बाद भी दोनों के बीच बेशुमार प्यार देखने को मिलता है। हालांकि, अभी तक इस कपल अपने बेबी का स्वागत नहीं किया है। वहीं, हाल ही में खबर उड़ी कि दोनों पहली बार माता–पिता बनने जा रहे हैं। जैसे ही सरगुन मेहता की प्रेग्नेंसी की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, तो एक्ट्रेस भी चुप न रह सकी। प्रेग्नेंसी की खबरों पर हाल ही में उन्होंने अपना रिएक्शन दिया है। सरगुन मेहता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है और अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर विराम लगाया। उन्होंने अपने पोस्ट मेंलिखा–लगता है न्यूज को हमारी प्रेग्नेंसी के बारे में पिछले 2 साल से पहले पता है। उनके हिसाब से मैं प्रेग्नेंट हूं। यह एक लंबी प्रेग्नेंसी है! शांत हो जाओ और बेबुनियाद खबरें फैलाना बंद करो। इसके बारे में लिखने से पहले हमसे या हमारी टीम से पूछ लेने में ज्यादा समय नहीं लगेगा कि खबर असली है या नहीं। इस पोस्ट के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, आपको प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चला जिसके बारे में मुझे और रवि को पता नहीं है? इसे रोको, प्लीज। सरगुन मेहता के इस पोस्ट पर रवि दुबे ने हंसी वाली इमोजी के साथ कमेंट में लिखा, कैप्शन। एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स भी फनी कमेंट करते नजर आए। बता दें, सरगुन मेहता और रवि दुबे ने करीब चार साल तक डेटिंग के बाद साल 2013 में शादी रचाई थी। सरगुन इस वक्त प्रोडक्शन और पंजाबी फिल्मों में एक्टिंग को लेकर बिजी हैं। वहीं, रवि जल्द ही रणबीर कपूर स्टारर रामायण में लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे।

फिश कट लहंगे के साथ इस तरह से स्टाइल करें दुपट्टा, बहुत काम आएंगे ये टिप्स

इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में शादी में हर कोई अपने लुक को खास बनाने के लिए डिजाइनर कपड़ों की शॉपिंग कर रहा है। कोई डिजाइनर साड़ी खरीद रहा है, तो कोई लेटेस्ट डिजाइन वाला लहंगा। बता दें कि इन दिनों फिश कट लहंगा डिजाइन सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। जोकि देखने में भी काफी स्टाइलिश लगता है और आप इसको बिना दुपट्टे के भी वियर कर सकती हैं। वहीं अगर आप फिश कट लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करना चाहती हैं, तो आपको नीचे बताए गए हैक्स ट्राई करना चाहिए। जिससे आप इस पर दुपट्टा भी वियर कर सकें और आपका लुक भी न खराब लगे।

कैप स्टाइल में ड्रेप करें दुपट्टा

फिश कट लहंगा में आप कैप स्टाइल में दुपट्टा ड्रेप कर सकती हैं। ऐसे दुपट्टा कैरी करने से आपको श्रग जैसा लुक मिलेगा।

फिर पीछे कंधे पर दुपट्टे को पिन की मदद से सेट कर लें।

आगे दिए गए कॉनर को हाथों के बीच में से निकालकर सेट कर लें।

आप फिश कट लहंगे के साथ इस तरीके से कैप स्टाइल दुपट्टा स्टाइल कर सकती हैं।

प्री ड्रेप साड़ी स्टाइल

फिश कट लहंगा पहनने से बॉडी का शेप अच्छा आता है। ऐसे में आप प्री ड्रेप साड़ी की तरीके से दुपट्टा स्टाइल करने इसको हाइलाइट करने का काम कर सकती हैं।

पल्लू में प्लीट्स बनाकर इसको पिन कर सकती हैं।

फिर इसको पीछे कमर में टक कर दें।

इसको खुला छोड़ने की जगह प्लीट्स बनाकर पिन कर लें, जिससे कि यह आपका लुक न बर्बाद करे।

इन टिप्स की मदद से आप दुपट्टे को ड्रेप कर सकती हैं।

इन बातों का रखें खास ख्याल

यदि दुपट्टा नेट का है, तो इसको अंदर से पिन करें, जिससे यह हाइलाइट न हो।

लहंगे के साथ ज्यादा हैवी दुपट्टा स्टाइल न करें वरना आपका पूरा लुक खराब हो सकता है।

इसके अलावा फ्री स्टाइल में दुपट्टा कैरी न करें।

कान में जमी मैल हो जाएगी बिल्कुल साफ, आजमाएं ये 3 नुस्खे

कान शरीर का सबसे नाजुक अंग होता है। ऐसे में इसके साथ कुछ भी ऐसा नहीं करना चाहिए जिसके कारण इसे नुकसान पहुंचे। कान के साथ की हुई थोड़ी सी भी छेड़छाड़ परेशानी का कारण बन सकते हैं। कान में गंदगी और खोट जमा हो जाना आम बात है ऐसे में इसे साफ करने के लिए अक्सर सभी ईयर बड्स, माचिस की तीली या किसी नुकली चीज का इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह चीजें आपके कानों को नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। ऐसे में आज आपको इस आर्टिकल के जरिए कान साफ करने के कुछ आसान से नुस्खे बताते हैं।

डॉक्टर से भी लें सलाह

यदि आपके कान में जमा खोंट बहुत ही ठोस हो गई है तो इसे खुद निकालने की जगह आप डॉक्टर से सलाह लें। वैसे तो ईयर वैक्स कानों को बाहर से आने वाली गंदगी से बचाने में मदद करती है परंतु जब ये ज्यादा मात्रा में हो जाए तो इससे साफ सुनाई भी नहीं देता। ऐसे में आपको कानों की सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए।

तेल

कान की खोंट या गंदगी निकालने के लिए आप तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। बादाम या फिर सरसों के तेल की दो बूंदे कानों में डालकर सिर को उसी डायरेक्शन में रखें। 5 मिनट तक इसे ऐसे ही रहनें दें। मैल नरम हो जाएगी और कान से आसानी से निकल जाएगी।

गर्म पानी

कान की गंदगी साफ करने के लिए आप गर्म पानी इस्तेमला कर सकते हैं। एक कप गर्म पानी लें, फिर इस पानी को कानों में ध्यान से डालें और फिर साथ में ही निकाल दें इससे भी मैल आसानी से निकाल जाएगी।

हाइड्रोजन पैरॉक्साइड

कुछ लोग कानों की गंदगी निकालने के लिए हाइड्रोजन पैरॉक्साइड का इस्तेमाल भी करते हैं परंतु इसका इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह ले लें। इसके बाद ही इसे कानों में डालें।

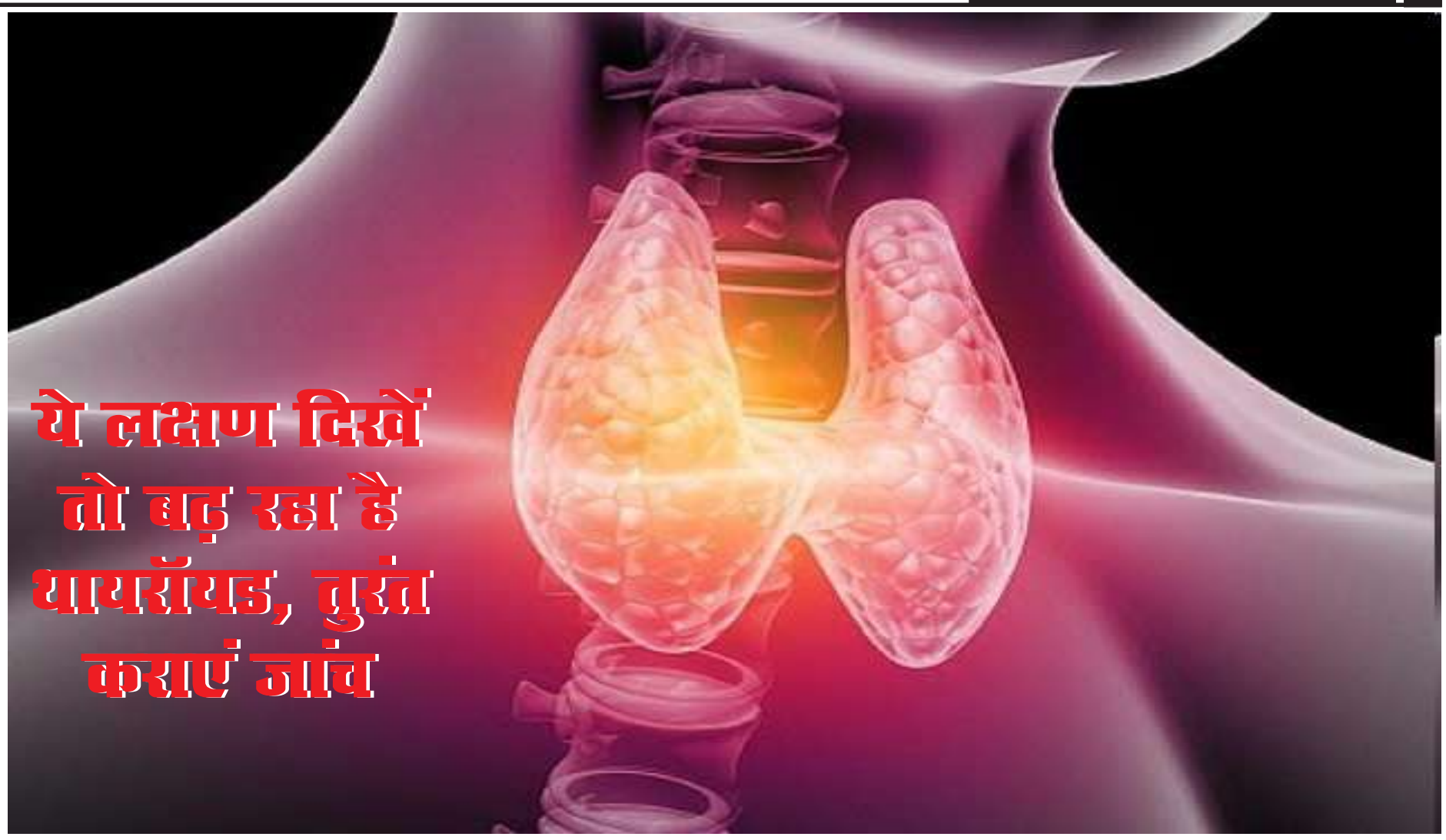

ये लक्षण दिखें तो बढ़ रहा है थायरॉयड, तुरंत कराएं जांच

हमारा शरीर जब भी किसी परेशानी से गुजरता है तो वह छोटे–छोटे संकेत देने लगता है। इन्हीं संकेतों में से एक है थायरॉयड की गड़बड़ी। थायरॉयड गले के सामने स्थित तितली के आकार की एक छोटी सी ग्रंथि (ग्लैंड) होती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को कंट्रोल करती है। जब यह सही से काम नहीं करती, तो पूरे शरीर पर असर पड़ता है। थायरॉयड की समस्या धीरे–धीरे बढ़ती है, इसलिए लोग अक्सर शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते पहचान हो जाए, तो इसे आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है।

थायरॉयड क्या करता है?

थायरॉयड हार्मोन बनाता है, जो शरीर में ऊर्जा की खपत, दिल की धड़कन, शरीर का तापमान, वजन और यहां तक कि मूड को भी प्रभावित करता है। जब यह हार्मोन कम बनने लगते हैं (हाइपोथायरॉयडिज्म), तो शरीर की कार्यप्रणाली धीमी पड़ जाती है।

दवाई ही नहीं ये परहेज भी जरूरी, जीलतवपक कंट्रोल करेंगे ये देसी आयुर्वेदिक नुस्खे

ये 5 लक्षण दिखें तो हो जाएं सतर्क

जरूरत से ज्यादा ठंड लगना

अगर मौसम सामान्य है, लेकिन आपको बार–बार ठंड लग रही है और आसपास के लोगों की तुलना में आप ज्यादा सर्दी महसूस कर रहे हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि आपका मेटाबॉलिज्म धीमा हो रहा है। थायरॉयड हार्मोन कम होने पर शरीर कम ऊर्जा बनाता है, जिससे शरीर का तापमान गिरने लगता है।

ध्यान लगाने में परेशानी

अगर आपको बार–बार चीजें भूलने लगें, फोकस करने में दिक्कत हो या दिमाग सुस्त महसूस हो, तो इसे सिर्फ तनाव समझकर नजरअंदाज न करें। थायरॉयड हार्मोन का असंतुलन दिमागी कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। कई लोग इसे "ब्रेन फॉग" भी कहते हैं।

पीरियड्स में बदलाव

महिलाओं में थायरॉयड की गड़बड़ी का असर मासिक धर्म पर भी पड़ता है। पीरियड्स का अनियमित होना, ज्यादा ब्लीडिंग होना या सामान्य से ज्यादा दिनों तक चलना, ये सभी संकेत हो सकते हैं कि हार्मोनल संतुलन बिगड़ रहा है।

बिना वजह वजन बढ़ना

अगर आपका खान–पान पहले जैसा ही है, फिर भी वजन लगातार बढ़ रहा है, तो यह थायरॉयड की वजह से हो सकता है। जब थायरॉयड हार्मोन कम बनते हैं, तो शरीर कैलोरी धीरे–ध ीरे जलाता है। इससे वजन बढ़ने लगता है, खासकर चेहरे और पेट के आसपास।

त्वचा और बालों में बदलाव

त्वचा का ज्यादा रूखा और बेजान हो जाना, बालों का झड़ना या खुरदुरा होना भी थायरॉयड की समस्या का संकेत हो सकता है। कई बार नाखून भी कमजोर और टूटने लगते हैं।

किन लोगों में खतरा ज्यादा होता है?

थायरॉयड की समस्या महिलाओं में पुरुषों की तुलना में ज्यादा पाई जाती है। खासकर 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं में इसका खतरा बढ़ जाता है। अगर परिवार में किसी को पहले से थायरॉयड की बीमारी रही हो, तो जोखिम और बढ़ जाता है। जिन लोगों ने सिर या गर्दन पर रेडिएशन थेरेपी ली है, या जो ऐसी दवाएं लेते हैं जिनमें आयोडीन ज्यादा मात्रा में होता है, उन्हें भी सावधान रहने की जरूरत है। कुछ आनुवंशिक स्थितियां भी थायरॉयड की समस्या का कारण बन सकती हैं।

कब तुरंत डॉक्टर के पास जाएं?

अगर ऊपर बताए गए लक्षण कई हफ्तों से बने हुए हैं या ध ीरे–धीरे बढ़ रहे हैं, तो देर न करें। खून की जांच जैसे ज्ैभ्, ज्3 और ज्4 टेस्ट करवाना जरूरी है। इन जांचों से पता चल जाता है कि थायरॉयड सही से काम कर रहा है या नहीं। अच्छी बात यह है कि थायरॉयड की बीमारी आम है और दवाओं से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन अगर इलाज में देरी हो जाए, तो यह दिल की बीमारी, मोटापा, मानसिक तनाव और महिलाओं में प्रजनन संबंधी समस्याओं तक का कारण बन सकती है। थायरॉयड की समस्या धीरे–धीरे बढ़ती है और शुरुआत में इसके लक्षण मामूली लग सकते हैं। लेकिन शरीर बार–बार संकेत दे रहा हो, तो उसे अनदेखा न करें। समय पर जांच और सही इलाज से थायरॉयड को पूरी तरह नियंत्रण में रखा जा सकता है।

अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकती है।

छोटे बच्चों के आंखों के चेकअप को लेकर कभी ना करना ये गलती

बहुत से माता–पिता सोचते हैं कि बच्चों की आंखों की जांच तब करानी चाहिए जब उन्हें साफ दिखाई न दे या वे शिकायत करें। लेकिन आंखों के विशेषज्ञों के अनुसार जल्दी और नियमित आई चेक–अप बच्चों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। आइए समझते हैं क्यों और किन आम गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

जल्दी आंखों की जांच क्यों जरूरी है?

बच्चे हमेशा अपनी परेशानी बता नहीं पातेरू छोटे बच्चे अक्सर यह समझ ही नहीं पाते कि उन्हें धुंधला दिखाई दे रहा है। उन्हें लगता है कि सबको ऐसा ही दिखता है। ऐसे में समस्या देर से पकड़ में आती है।

"आलसी आंख" का खतराः अगर एक आंख कमजोर है और समय पर इलाज न हो, तो दिमाग उस आंख को नजरअंदाज करने लगता है। इसे एम्ब्लायोपिया कहा जाता है। यह समस्या 7दृ8 साल की उम्र के बाद ठीक करना मुश्किल हो सकती है।

पढ़ाई और व्यवहार पर असरः धुंधली नजर के कारण बच्चा पढ़ाई में पीछे रह सकता है, जल्दी थक सकता है, सिरदर्द की शिकायत कर सकता है। ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है

बच्चों की आंखों से जुड़े आम मिथक (और सच्चाई)

मिथक 1: "अगर बच्चा टीवी पास से देखता है तो नजर खराब हो गई है।"

सच्चाई: कभी–कभी आदत या जिज्ञासा भी कारण हो सकती है। लेकिन बार–बार ऐसा हो तो जांच जरूरी है।

मिथक 2: "आंखों की जांच सिर्फ स्कूल जाने के बाद जरूरी है।"

सच्चाई: विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि जन्म के बाद बेसिक जांच, 6 महीने की उम्र में, 3 साल की उम्र में और फिर स्कूल शुरू होने से पहले जांच करानी चाहिए।

मिथक 3: "चश्मा लगाने से आंखें और कमजोर हो जाती हैं।"

सच्चाई: सही नंबर का चश्मा आंखों को आराम देता है और नजर सुधारने में मदद करता है। यह कमजोरी नहीं बढ़ाता।

मिथक 4: "बच्चे बड़े होकर खुद ठीक हो जाएंगे।"

सच्चाई: कुछ समस्याएं समय के साथ ठीक नहीं होतीं, बल्कि बढ़ सकती हैं।

इन संकेतों पर रखें नजर

–बार–बार आंखें मिचमिचाना

–सिर झुकाकर देखना

–किताब बहुत पास लाकर पढ़ना

–बार–बार सिरदर्द

–आंखों में पानी आना या लाल रहना

स्क्रीन टाइम और आंखों की सेहत

आजकल मोबाइल और टैबलेट का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों की आंखों पर असर डाल सकता है। 20–20–20 नियम अपनाएं (हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें)। बाहर खेलने का समय बढ़ाएं। स्क्रीन का समय सीमित रखें। बच्चों की आंखें उनके सीखने और विकास का अहम हिस्सा हैं। जल्दी

जांच=समय पर पहचान=बेहतर इलाज है। अगर आपका बच्चा बिल्कुल ठीक भी दिख रहा हो, तब भी नियमित आंखों की जांच करवाना समझदारी है। छोटी सी सावधानी, भविष्य की बड़ी समस्या से बचा सकती है।

ऑयली स्किन से हो सकती है पिम्पल्स की समस्या, निजात पाने के लिए करें इन सुपरफूड का सेवन

गर्मियों के मौसम में ऑयली स्किन वाले लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना है, जिसमें पिम्पल्स की समस्या सबसे आम है। चिपचिपे मौसम में स्किन ज्यादा आयल का उत्पादन करती है। इसकी वजह से चेहरे पर पिम्पल्स हो जाते हैं। हालाँकि, पिम्पल की समस्या पूरी तरह से मौसम से जुडी हुई नहीं है। इस समस्या का आधा संबंध गर्मियों के ली जाने वाली डाइट से भी होता है। खाने और त्वचा का सीधे तौर पर संबंध है। आप जो कुछ भी खाते हैं उसका असर त्वचा पर दिखता है। गर्मियों में स्ट्रीट फूड और फ्राई की हुई चीजों का ज्यादा सेवन करने से सीबम के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है, जो पिम्पल का कारण बनता है। ऐसे में चलिए कुछ सुपरफूड्स के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन करने से त्वचा पर तेल जमा नहीं होता और पिम्पल की समस्या से छुटकारा मिलता है। खीरा– खीरा पानी से भरपूर होता है और शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। फिटोटेरेपिया जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में त्वचा पर खीरे के सकारात्मक प्रभावों को दिखाया गया है। अध्ययन के अनुसार, खीरे का सेवन करने से त्वचा साफ होती है। इसी के साथ ये त्वचा पर से विषाक्त पदार्थों और अशुद्धियों को हटाता है। ये त्वचा पर तेल जमा होने से रोकता है और पिम्पल की समस्या से निजात दिलाता है। ब्रोकोली– विटामिन ए और सी हमारी त्वचा के लिए फायदेमंद माने जाते हैं और ब्रोकोली इन

दोनों विटामिन्स से भरपूर होती है। विटामिन्स के अलावा ब्रोकोली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा पर अतिरिक्त तेल के उत्पादन को रोकता है, जिससे पिम्पल्स की समस्या नहीं होती है। ब्रोकोली को उबालकर खाने से फायदा होगा, इसे कच्चा खाने की गलती न करें। नींबू– गर्मियों में टैनिंग हटाने के लिए त्वचा पर नींबू का इस्तेमाल किया जाता है। नींबू न सिर्फ टैनिंग हटाता है बल्कि ये पिम्पल्स को रोकने में भी मदद करता है। दरअसल, नींबू में तेल सोखने की प्रवृत्ति होती है। इसलिए ऑयली स्किन से निजात पाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। नींबू का इस्तेमाल करने के दौरान ध्यान रखें इसे सीध ा त्वचा पर नहीं लगाना है, किसी अन्य चीज के साथ मिलाकर इसका इस्तेमाल करें।

केला– शरीर में पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम की कमी के कारण सीबम का अतिरिक्त उत्पादन हो सकता है। इसकी वजह से स्किन ऑयली हो जाती है। केला पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम की कमी दूर करता है। इसलिए गर्मियों में ऑयली स्किन से बचने के लिए इसे डाइट में शामिल करें। इसके अलावा केले में विटामिन ई भी होता है, जो एक प्राकृतिक सौंदर्य सीरम के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा केले के छिलको को पिम्पल पर रगड़ने से पिम्पल्स से छुटकारा मिलता है।

संक्षिप्त

सुप्रीम कोर्ट की ओर से अवैध घोषित किए गए टैरिफ वसूलना बंद कर देगा अमेरिका

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने बताया है कि वह मंगलवार को पूर्वी मानक समय के अनुसार रात 12रू01 बजे (0501 जीएमटी) से अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लगाए गए शुल्कों की वसूली रोक देगी, अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की ओर से इन शुल्कों को अवैध घोषित किए जाने के तीन दिन से अधिक समय बाद। एजेंसी ने अपने कार्गो सिस्टम मैसेजिंग सर्विस (सीएसएमएस) पर शिपर्स को एक संदेश में कहा कि वह मंगलवार से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पूर्व आईईईपीए–संबंधित आदेशों से जुड़े सभी टैरिफ कोड को निष्क्रिय कर देगी। आईईईपीए के तहत टैरिफ वसूली पर रोक, ट्रंप द्वारा शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए टैरिफ के स्थान पर एक अलग कानूनी अधिकार के तहत 15प्रतिशत का नया वैश्विक टैरिफ लगाने के साथ मेल खाती है। सीबीपी ने इस बात का कोई कारण नहीं बताया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कई दिनों बाद भी वह प्रवेश बंदरगाहों पर शुल्क क्यों वसूलना जारी रखे हुए है, और उसके संदेश में आयातकों के लिए संभावित धनवापसी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। संदेश में कहा गया है कि वसूली पर रोक से ट्रंप द्वारा लगाए गए किसी अन्य टैरिफ पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जिसमें धारा 232 राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और धारा 301 अनुचित व्यापार व्यवहार कानून के तहत लगाए गए टैरिफ शामिल हैं। एजेंसी ने कहा, सीबीपी आवश्यकतानुसार सीएसएमएस संदेशों के माध्यम से व्यापार समुदाय को अतिरिक्त मार्गदर्शन प्रदान करेगा। रॉयटर्स ने शुक्रवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आईईईपीए टैरिफ से अमेरिकी राजकोष के 175 अरब डॉलर से अधिक के राजस्व में संभावित रिफंड की संभावना है। यह अनुमान पेन–व्हार्टन बजट मॉडल के अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाया गया है। उनके द्वारा तैयार किए गए पूर्वानुमान मॉडल के आधार पर किए गए अनुमान से पता चला है कि आईईईपीए–आधारित टैरिफ से प्रतिदिन 500 मिलियन डॉलर से अधिक का सकल राजस्व प्राप्त हो रहा था।

लिस्टिंग और सेटलमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव करेगा सेबी, जून तक ड्राफ्ट पेपर

नई दिल्ली,एजेंसी। सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक पीएमएस, एलओडीआर और सेटलमेंट नियमों की समीक्षा करेगा और इस पर जून तक कंसल्टेशन पेपर जारी हो सकता है। साथ ही सेबी बाजार निगरानी के लिए एआई के उपयोग और कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स विकसित करने पर भी काम कर रहा है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज, लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नियमों और सेटलमेंट से जुड़े प्रावधानों की व्यापक समीक्षा करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में एक कंसल्टेशन पेपर जून तक जारी किया जा सकता है। पोर्टफोलियो मैनेजर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि पीएमएस फ्रेमवर्क में निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सेगमेंट में पारदर्शिता पहले की तुलना में बेहतर हुई है, लेकिन बाजार में तेजी से हो रहे बदलाव और नए निवेश उत्पादों के उभरने के कारण मौजूदा नियमों की समीक्षा जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सेबी केवल पीएमएस ही नहीं, बल्कि एलओडीआर और सेटलमेंट से जुड़े नियामकीय ढांचे की भी समीक्षा करेगा, ताकि बदलते बाजार परिदृश्य के अनुरूप नियमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। एआई के उपयोग पर पांडे ने कहा कि सेबी बाजार में गड़बड़ियों और अनियमितताओं का वास्तविक समय में पता लगाने के लिए एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं पर काम कर रहा है, जिससे समय रहते नियामकीय हस्तक्षेप और समाधान संभव हो सके। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक मिलकर बाजार की गहराई बढ़ाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स और उससे जुड़े उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को निवेश के अधिक विकल्प मिलेंगे और बॉन्ड बाजार को भी मजबूती मिलेगी। ट्रेडिंग से जुड़ी फंडिंग व्यवस्था पर भी पांडे ने बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि आरबीआई के लेंडिंग नियमों की समीक्षा की जाएगी और इस पर सेबी अपनी राय केंद्रीय बैंक के साथ साझा करेगा। इससे यह संकेत मिलता है कि मार्जिन ट्रेडिंग या उधार लेकर ट्रेडिंग से जुड़े नियमों को और सख्त किया जा सकता है। पांडे ने यह भी कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। तेज आर्थिक वृद्धि के साथ देश में निवेशकों की संख्या बढ़ेगी, जिसे ध्यान में रखते हुए नियामकीय ढांचे को मजबूत और निवेशक–केंद्रित बनाना आवश्यक है।

भारत की हार पर पाकिस्तान के आमिर का बड़बोलापन

करांची,एजेंसी। मोहम्मद आमिर ने अपने 'स्लॉगर' बयान पर सफाई देते हुए स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य अभिषेक शर्मा को नीचा दिखाना नहीं था, बल्कि उनकी तकनीक पर चर्चा करना था। साथ ही उन्होंने युवा बल्लेबाज को धैर्य और तकनीकी सुधार की सलाह दी। अब देखना होगा कि अभिषेक आने वाले मैचों में इस आलोचना का जवाब अपने प्रदर्शन से दे पाते हैं या नहीं। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 के सुपर–8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद टीम इंडिया के लिए सेमीफाइनल में जगह बनाना मुश्किल हो गया है। भारत की हार के बाद पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। एक पाकिस्तानी शो के दौरान उन्होंने अपनी चार सेमीफाइनलिस्ट टीमों में भारत को नहीं रखा था। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद, अब जब टीम इंडिया की राह कठिन हो गई है, तो वह खुशी से उछल रहे हैं। साथ ही बड़बोलापन भी दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं, आमिर ने अभिषेक शर्मा को स्लॉगर (अंधाधुंध बल्ला चलाने वाला) कहने पर भी सफाई दी है।

भारत–दक्षिण अफ्रीका मैच से पहले ही मोहम्मद आमिर ने एक टीवी शो पर कहा था कि भारतीय टीम विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगी। उन्होंने इसके पीछे की वजह बताई थी कि भारत के पास छह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और विपक्षी टीमें इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगी। आमिर ने कहा था कि दक्षिण अफ्रीका हो या जिम्बाब्वे या फिर वेस्टइंडीज, उनके पास अच्छे ऑफ स्पिनर हैं, जो बाएं हाथ के बल्लेबाजों इसलिए मैच के बाद आमिर जब टीवी शो में पहुंचे तो उन्हें एंकर ने ज्योतिषी कहा। आमिर अपने लिए यह संबोधन सुनकर काफी हंसे।

शो के दौरान एंकर ने कहा, जो काम हमारी पाकिस्तानी टीम नहीं कर पा रही है, वह हमारे विशेषज्ञ लाहौर स्टूडियो में बैठकर कर रहे हैं। आमिर आप ज्योतिषी हैं। एंकर के बयान के बाद आमिर ने हंसते हुए कहा, मुझे क्या बना दिया है? अल्लाह माफ करे। इतना ही नहीं मोहम्मद आमिर ने अभिषेक शर्मा को पहले स्लॉगर कहा था और फिर टीम इंडिया के सेमीफाइनल में नहीं पहुंचने की भविष्यवाणी की थी। इन दोनों बयानों के बाद मोहम्मद आमिर को सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट फैंस से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

आमिर ने अब अभिषेक को स्लॉगर कहने पर भी सफाई दी है और साथ ही बल्लेबाजी सलाह भी दी है। उसी टीवी चौनल से बातचीत में आमिर ने कहा, श्मैं एक गेंदबाज के नजरिए से बात कर रहा था। मैं उनकी तकनीक की बात कर रहा था। लोगों को बुरा लगा क्योंकि मैंने स्लॉगर शब्द इस्तेमाल किया। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, मेरे कहने का मतलब यह था कि उनकी तकनीक ऐसी है कि अच्छी टीम और अच्छे गेंदबाज उन्हें फंसा सकते हैं। उन्होंने जो 14 रन बनाए, वे एक ही तरफ बनाए। जिन गेंदों पर उन्होंने शॉट खेले, वे खराब गेंदें थीं, लेकिन जब रबाडा ने अच्छी गेंदबाजी शुरू की तो वह उसे समझ नहीं पाए। यहां आमिर का इशारा दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की ओर था, जिन्होंने दबाव बनाकर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया।

हालांकि आमिर ने अभिषेक की आलोचना के साथ उनकी सराहना भी की। उन्होंने कहा, वह अच्छे खिलाड़ी हैं। तीन बार शून्य पर आउट होने के बाद भी उनका इरादा वही है। वह बैकफुट पर नहीं गए। वह सकारात्मक हैं। आमिर का मानना है कि अभिषेक में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तकनीक की परीक्षा ज्यादा होती है। आमिर ने अभिषेक को सलाह देते हुए कहा, अगर मेरी बात उन तक पहुंचे तो मैं यही कहूंगा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपकी तकनीक उजागर हो जाती है। अगर आप थोड़ा धैर्य दिखाएं और गेंद की मेरिट पर खेलें तो बेहतर होगा। आमिर ने आगे जोड़ा, उनके पास कौशल है, लेकिन यह उन पर निर्भर करता है कि वह उसका उपयोग कैसे करते हैं। मैंने उसी संदर्भ में बात कही थी, लोगों को बुरा लगा। ग्रुप स्टेज में अजेय रही भारतीय टीम को सुपर–8 के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा। टी20 विश्व कप में रनों के लिहाज से भारतीय टीम की यह सबसे बड़ी हार थी। टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 7 विकेट पर 187 रन बनाए थे। भारतीय टीम 111 पर सिमट गई और 76 रनों से हार गई। हार के बाद भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल की राह मुश्किल हो गई है। अभिषेक शर्मा ने 12 गेंदों में 15 रन बनाए।

टीम इंडिया से बाहर होंगे फ्लॉप बल्लेबाज ? कोच ने दिए संकेत

नई दिल्ली,एजेंसी। सुपर–8 में 76 रन की करारी हार के बाद भारतीय टीम में मंथन तेज हो गया है। टीम मैनेजमेंट अब कम से कम एक आउट–ऑफ–फॉर्म बल्लेबाज को बाहर करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के सहयोगी कोच रेयान टेन डेशकाटे और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने संकेत दिए हैं कि अगले मैच में प्लेइंग–11 में बदलाव संभव है। भारत को अब सुपर–8 राउंड में 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से चेन्नई में और एक मार्च को कोलकाता में वेस्टइंडीज से खेलना है। सुपर–8 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम के शीर्ष क्रम पर सवाल उठे हैं। अभिषेक शर्मा ने चार मैचों में सिर्फ 15 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा के पांच मैचों में 107 रन जरूर हैं, लेकिन स्ट्राइक रेट 118 रहा है। फिनिशर रिंकू सिंह का 29 गेंदों में 24 रन (स्ट्राइक रेट 82.75) भी निराशाजनक है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट के पास बदलाव पर विचार करने के अलावा विकल्प कम बचते दिख रहे हैं। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने साफ कहा, अगर हेड कोच और टीम मैनेजमेंट को लगता है कि हमें कुछ अलग करना चाहिए, तो हम बदलाव करेंगे। अब हम उस मोड़ पर हैं जहां सोचना होगा कि क्या बदलें और कैसे बदलें। उन्होंने आगे कहा, हमें यह तय करना होगा कि क्या उसी संयोजन के साथ जाएं या कुछ नया आजमाएं। वहीं, रेयान टेन डेशकाटे ने संकेत दिया कि दाएं–बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संतुलन पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, श्क्या हम उन्हीं खिलाड़ियों के साथ बने रहें जिन्होंने पिछले 18 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है या फिर संजू को मौका दें, जो एक शानदार खिलाड़ी हैं और रणनीतिक तौर पर टॉप ऑर्डर में दाएं हाथ का विकल्प देते हैं?श उन्होंने यह भी जोड़ा, अगले दो अहम मुकाबलों से पहले यह निश्चित तौर पर चर्चा का विषय रहेगा। डेशकाटे के इस बयान के बाद संभावना जताई जाने लगी है कि सुपर–8 के अगले दो मैचों में अभिषेक या तिलक की जगह संजू सैमसन एक बार फिर से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं।

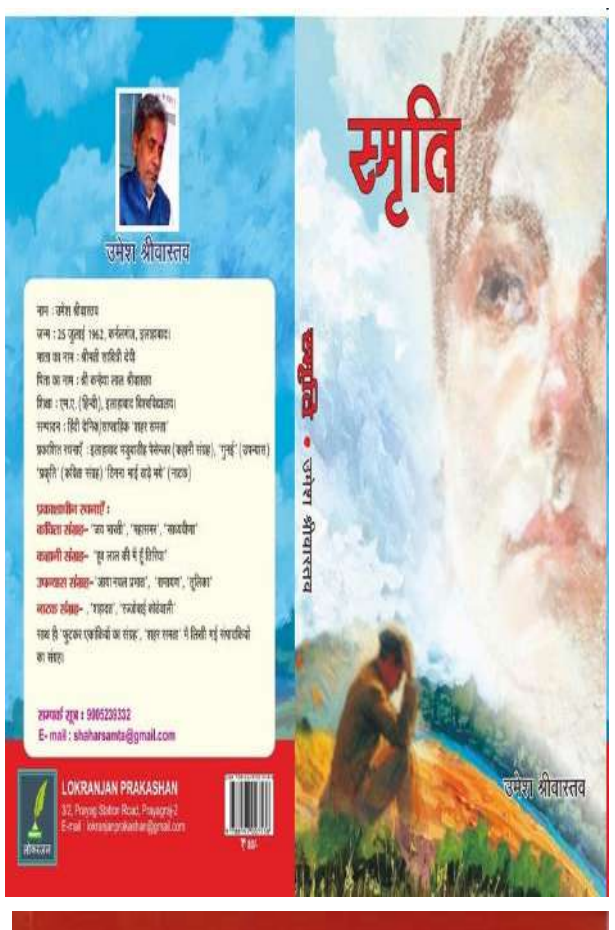

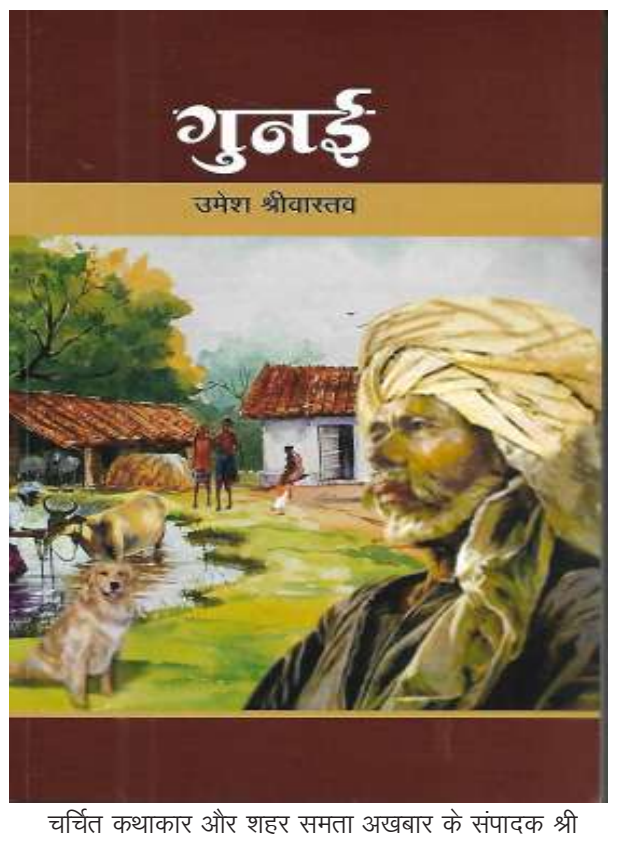

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

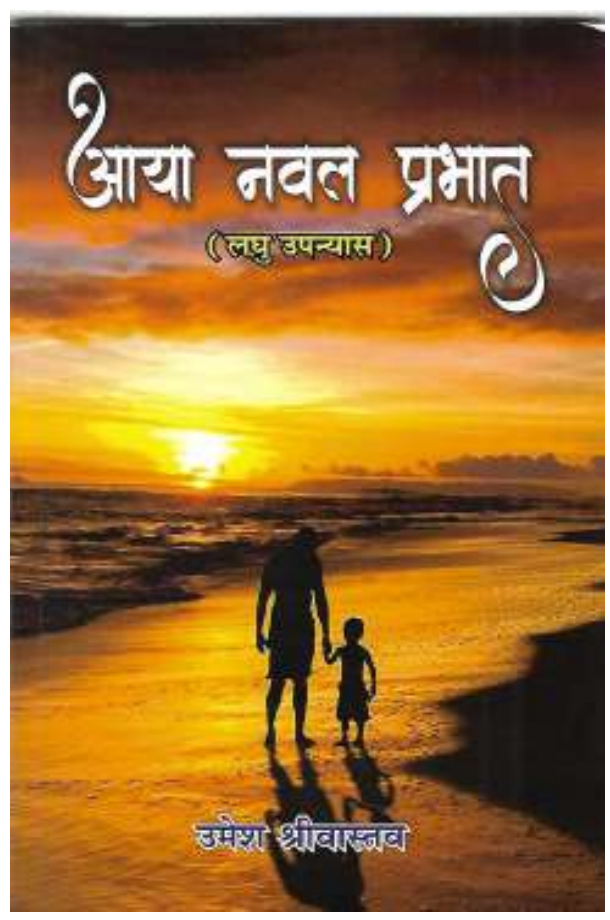

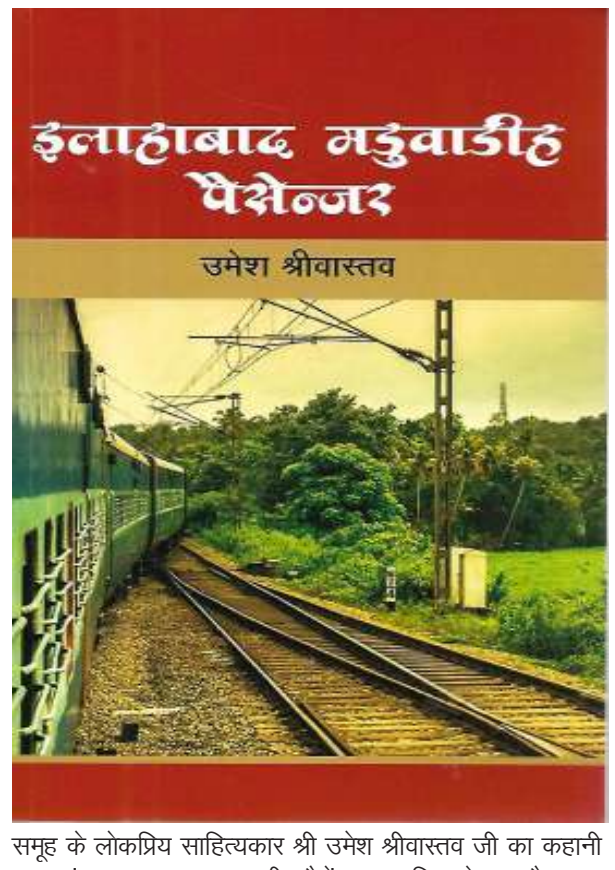

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

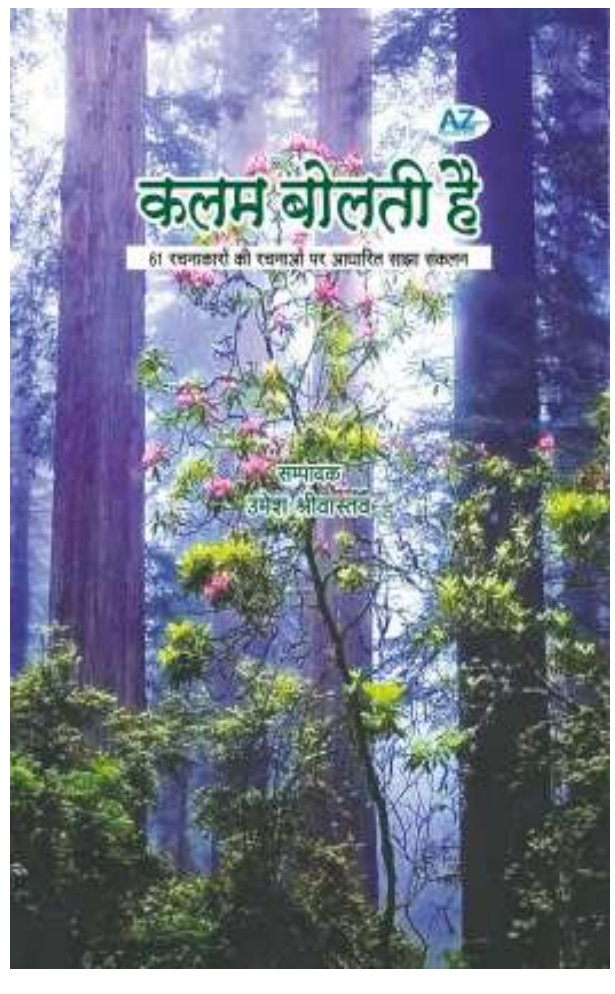

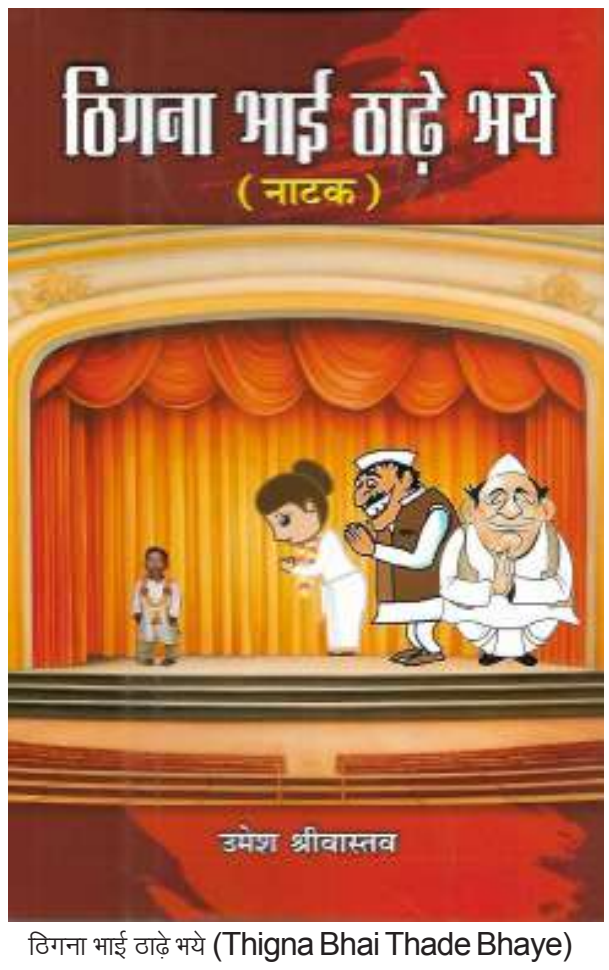

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

एल मेंचो कौन था ?: डेढ़ करोड़ डॉलर का इनामी, अमेरिका का मोस्ट वांटेड, जिसकी मौत से जल उठा मैक्सिको

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको की सेना ने रविवार को देश के सबसे ताकतवर ड्रग कार्टेल सरगना और अमेरिका के सबसे वांछित भगोड़ों में शामिल नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस को मार गिराया। जिसे एल मेंचो के नाम से जाना जाता है। यह कार्रवाई मैक्सिको सरकार के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है, हालांकि इसके तुरंत बाद देशभर में हिंसा शुरू हो गई है और ड्रग कार्टेल (गैंग) के सदस्य अलग–अलग जगहों पर आगजनी और गोलीबारी कर रहे हैं। कई रिटेल स्टोर, सार्वजनिक वाहनों और इमारतों में कार्टेल के लोगों ने आग लगा दी है। कई इलाकों में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं। नेमेसियो ओसेगुएला केरवेंटेस, जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (जेएनजीसी) नामक गैंग का सरगना था। यह गैंग इस वक्त मैक्सिको का सबसे बड़ा, तेजी से बढ़ता और सबसे खतरनाक गैंग है। नेमेसियो ओसेगुएला (59 वर्षीय) पश्चिमी मैक्सिको के मिचोआकान प्रांत का निवासी था और बीते तीन दशकों से संगठित अपराध का बड़ा नाम था। साल 1994 में अमेरिका में हेरोइन तस्करी के आरोप में उसे तीन साल की सजा हुई थी। जेल से रिहा होकर वह फिर मैक्सिको लौटा और उसने ड्रग तस्करी की दुनिया में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत की। करीब 2009 में उसने जेलिस्को न्यू जेनरेशन ड्रग कार्टेल की स्थापना की। यह गैंग अमेरिका तक कोकीन, मेथामफेटामाइन, फेंटेनिल और अवैध प्रवासियों की तस्करी में शामिल रहा। जेएनजीसी ने ड्रोन और आईईडी जैसे हथियारों के इस्तेमाल से हिंसा के नए तरीके अपनाए। 2015 में जालिस्को में मैक्सिको की सेना के हेलीकॉप्टर को गिराने और मेक्सिको सिटी के तत्कालीन पुलिस प्रमुख ओमार गार्सिया पर हमले की असफल कोशिश की। इस दुस्साहसिक हमले से इस कार्टेल ने अपनी खतरनाक पहचान बनाई। एल मेंचो की मौत के बाद कार्टेल सदस्यों ने कई राज्यों में आगजनी और सड़क जाम की घटनाओं को अंजाम दिया। करीब एक दर्जन राज्यों में गाड़ियों को जलाया गया है और सड़कों को बंद कर दिया गया है। मैक्सिको के दूसरे सबसे बड़े शहर ग्वाडलाहारा में लोग घरों में कैद हैं। कई राज्यों में सोमवार को स्कूल बंद कर दिए गए और सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया। यहां तक कि ग्वाटेमाला ने भी मेक्सिको सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी। अमेरिकादृमैक्सिको संबंधों को हो सकता है फायदा ओसेगुएरा, अमेरिका में कई मामलों में वांछित था। अमेरिकी विदेश विभाग ने उसकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एल मेंचो कार्टेल को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। ट्रंप प्रशासन लगातार मैक्सिको पर ड्रग कार्टेल के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दबाव बनाता रहा है, यहां तक कि टैरिफ या एकतरफा सैन्य कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। अब एल मेंचो की मौत से दोनों देशों के संबंधों में बेहतरी हो सकती है। अमेरिकी विदेश उपमंत्री क्रिस्टोफर लैंडो ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि श्अच्छी ताकतें बुरी ताकतों से मजबूत हैं। पूर्व डीईए अधिकारी माइक विजिल के अनुसार, यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन को यह मजबूत संदेश देती है कि मैक्सिको सबसे ताकतवर कार्टेल के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ रहा है। एल मेंचो की मौत के बाद अब सवाल ये है कि जेलिस्को ड्रग कार्टेल की कमान कौन संभालेगा? यह कार्टेल मेक्सिको के 32 में से कम से कम 21 राज्यों में सक्रिय है और अमेरिका के लगभग हर हिस्से में इसकी मौजूदगी बताई जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एल मेंचो पूरे संगठन पर नियंत्रण रखता था। उसकी गैरमौजूदगी से कार्टेल की रफ्तार कुछ समय के लिए धीमी पड़ सकती है और प्रतिद्वंद्वी कार्टेल को बढ़त मिल सकती है। इसके चलते मैक्सिको में हिंसा का दौर शुरू हो सकता है।

संक्षिप्त

मैक्सिको में बढ़ती हिंसा के बीच भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, नागरिकों से घर में रहने की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। मैक्सिको में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा अभियानों के बीच भारत के दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय

नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने, भीड़–भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने और फिलहाल घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है। यह एडवाइजरी उस सैन्य कार्रवाई के बाद जारी की गई है, जिसमें मैक्सिको के सबसे कुख्यात ड्रग कार्टेल सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा केरवेंटेस उर्फ एल मेंचो को मार गिराया गया। वे जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (श्अछळ) का प्रमुख थे। मेंचो मैक्सिको व अमेरिका के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल थे। मैक्सिकन सेना ने पश्चिमी राज्य जलिस्को में एक ऑपरेशन के दौरान उन्हें ढेर किया। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि जलिस्को राज्य (प्यूर्टो वल्लार्ता, चापाला और ग्वाडलाहारा), तामाउलिपास राज्य (रेनोसा सहित अन्य नगरपालिकाएं), मिचोआकान, गुएरेरो और नुएवो लियोन के कुछ क्षेत्रों में सुरक्षा अभियान, सड़क अवरोध और आपराधिक गतिविधियां जारी हैं। ऐसे में भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों को कानून–व्यवस्था से जुड़े अभियानों के आसपास के इलाकों से दूर रहने, स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, अनावश्यक बाहर निकलने से बचने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। आपात स्थिति में 911 पर संपर्क करने की सलाह भी दी गई है। साथ ही भारतीयों से अपने परिवार और मित्रों को अपनी स्थिति की जानकारी नियमित रूप से देते रहने की सलाह दी गई है।

नेपाल में यात्री बस के नदी में गिरने से 18 लोगों की मौत, कई घायल, विदेशी पर्यटक भी थे सवार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार तड़के एक भीषण हादसा हुआ। पोखरा से काठमांडू जा रही एक यात्री बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

घटना भारतीय समयनुसार रात करीब एक बजे चिनाधारा क्षेत्र के पास हुई। बस में करीब 40 से 45 से अधिक यात्री सवार थे। इनमें कुछ विदेशी पर्यटक भी सवार थे। बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या 18 है। इनमें छह महिलाएं और 11 पुरुष शामिल हैं। हादसे में 25 से 27 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों में आठ महिलाएं, 18 पुरुष और एक नाबालिग लड़की शामिल है। बस पृथ्वी राजमार्ग पर चल रही थी। बताया जा रहा है कि बेनीघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका–5 के भैसेपाटी इलाके के पास बस अचानक अनियंत्रित हो गई। वाहन सड़क से फिसलकर करीब 300 मीटर नीचे ढलान से होते हुए नदी किनारे जा गिरा। बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। पुलिस ने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक आशंका है कि चालक ने नियंत्रण खो दिया या सड़क की स्थिति खराब थी। बस में क्षमता से अधिक यात्री होने की भी जांच की जा रही है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है। हादसा रात के समय हुआ, जिससे बचाव अभियान में दिक्कत आई। नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस और स्थानीय लोग मिलकर राहत कार्य में जुटे। हाईवे रेस्क्यू मैनेजमेंट समिति के अध्यक्ष राजकुमार ठाकुरी ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अंधेरा और नदी का बहाव बचाव कार्य के लिए बड़ी चुनौती बना रहा।

मेक्सिको में ड्रग माफिया एल मेंचो की मौत के बाद भड़की हिंसा, अमेरिका ने जारी की एडवाइजरी, कई उड़ानें रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) के सरगना नेमेसियो श्एल मेंचोश ओसेगुएरा सर्वेंटेस के मारे जाने के बाद कई इलाकों में भारी हिंसा फैल गई है। इस हालात को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए नया एडवाइजरी जारी कर उन्हें सुरक्षित जगहों पर रहने यानी श्शेल्टर–इन–प्लेसश की सलाह दी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हिंसा के कारण ग्वाडलहारा और प्यूर्टो वालार्टा जैसे बड़े शहरों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। प्यूर्टो वालार्टा में टैक्सी और राइड–शेयर सेवाएं भी बंद कर दी गईं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जापान के सम्राट ने 3/11 आपदा पीड़ितों से मांगी माफी, आज से भारतीयों के लिए बांग्लादेश टूरिस्ट वीजा शुरू

बांग्लादेश, एजेंसी। बांग्लादेश की नवनिर्वाचित सरकार ने भारतीय नागरिकों के लिए सोमवार से टूरिस्ट वीजा सेवा फिर से बहाल करने का फैसला किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश सरकार ने भारत स्थित अपने मिशनों में टूरिस्ट वीजा जारी करना अस्थायी रूप से रोक दिया था। भारत पहले ही बांग्लादेश के लिए वीजा सेवाएं बहाल कर चुका है। कैलिफोर्निया की सिएरा नेवादा पर्वतमाला में आए भीषण हिमस्खलन के बाद बचाव दलों ने नौ बैककंट्री स्कीयरों के शव बरामद कर लिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, हादसा लेक ताहो के पास कैसल पीक क्षेत्र में हुआ था। नेवादा काउंटी शेरिफ शैनन मून ने बताया कि कई एजेंसियों और 42 स्वयंसेवकों की मदद से अभियान पूरा किया गया। मृतकों में ब्लैबर्ज माउंटेन कंपनी के तीन गाइड, एंड्रयू अलिसांद्राटोस (34), निकोल चू (42) और माइकल हेनरी (30) शामिल हैं। मोरक्को की 21 वर्षीय फराह नामक समलैंगिक महिला एक तीसरे देश के रास्ते वापस मोरक्को भेज दिया गया है। वहां उसे जान का खतरा है। इस महिला को अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश से सुरक्षा आदेश प्राप्त था। उल्लेखनीय है कि मोरक्को में समलैंगिकता अवैध है और इसके लिए तीन साल तक की जेल हो सकती है। फराह ने बताया कि उसे अपने परिवार से जान से मारने की धमकी मिली और हिंसा के बाद ब्राजील के रास्ते छह देशों की कठिन यात्रा कर अमेरिका पहुंची थी। जापान के सम्राट नारुहितो ने अपने 66वें जन्मदिन के अवसर पर 2011 के भूकंप, सुनामी और परमाणु दुर्घटना के पीड़ितों के जख्म अब तक नहीं भरने पर चिंता व्यक्त की। 11 मार्च की बरसी से कुछ सप्ताह पहले जारी टिप्पणी में उन्होंने कहा कि पुनर्निर्माण की प्रक्रिया अभी अधूरी है। सम्राट नरुहितो ने पिछले सप्ताह दिए गए अपने संदेश में कहा, श्बुनियादी ढांचे की बहाली में प्रगति हुई है, लेकिन आजीविका और समुदायों के पुनर्निर्माण पर अभी भी काम किए जाने की आवश्यकता है।श उन्होंने कहा, श्जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया और जिनकी जीवन परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं, उनके बारे में सोचकर मुझे लगता है कि उनके घाव अब तक नहीं भरे हैं। समय बीतने के बावजूद वे दर्द आज भी कायम हैं। जन्मदिन के अवसर पर सम्राट नरुहितो, महारानी मासाको, उनकी पुत्री राजकुमारी अइको और छोटे भाई क्राउन प्रिंस अकिशिनो के साथ शाही महल की बालकनी में आए और हाथ हिलाकर शुभकामनाएं देने पहुंचे नागरिकों का अभिवादन किया। लोग श्राइजिंग सनश के छोटे–छोटे झंडे लहराकर उनका स्वागत कर रहे थे। वर्ष 2011 की विनाशकारी आपदा में आए भीषण भूकंप और सुनामी से लगभग 20 हजार लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। इस आपदा के कारण फुकुशिमा दाइची परमाणु प्लांट में परमाणु रिएक्टर पिघलने (मेल्टडाउन) की घटना भी हुई थी। रेडिएशन के कारण खाली कराए गए अधिकांश इलाकों को दोबारा खोल दिया गया है, लेकिन रोजगार और सामुदायिक ढांचे की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग अब तक वापस नहीं लौटे हैं।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी, अमेरिका से तनाव के बीच बिगड़े हालात

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी

की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई। जनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। ईरानी सरकार ने कहा था कि 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनके लिए उसने इस्राइल और अमेरिका समर्थित तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उस समय प्रदर्शनकारियों ने सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के शासन को समाप्त करने की मांग की थी। हालिया प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार ने औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सरकारी मीडिया ने परिसरों में तनाव की खबरें दी हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के एक अधिकारी हुसैन गोलदानसाज ने छात्रों को "उग्र नारे" और हिंसा से दूर रहने की चेतावनी दी। सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। यह विरोध उस समय हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है। ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों की वार्ता स्विट्जरलैंड में फिर शुरू होने वाली है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि समाधान संभव है, लेकिन ईरान यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं छोड़ेगा। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई गई है।

अजित पवार विमान हादसा: सीबीआई जांच के लिए अमित शाह से की अपील', सीएम फडणवीस बोले- सभी शंकाओं को दूर करेगी सरकार

मुंबई, एजेंसी। अजित पवार विमान हादसे पर लगातार सवाल उठ रह हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि इस मामले की सीबीआई से जांच कराने का अनुरोध किया

गया है। फडणवीस ने कहा कि इस हादसे को लेकर उठ रहे सभी सवालों का जवाब देना जरूरी है। बजट सत्र की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने साफ किया कि सरकार किसी भी तरह की शंका को दूर करना चाहती है। फडणवीस ने बताया कि सहयोगी दल एनसीपी की ओर से उन्हें सीबीआई जांच की मांग वाला पत्र मिला था। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की। उन्होंने कहा कि डीजीसीए और राज्य सीआईडी की जांच के साथ अब सीबीआई भी मामले की जांच करेगी। 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती के पास लैंडिंग के दौरान चार्टर्ड विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने हादसे को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नागरिक उड्डयन मंत्री से इस्तीफा लेने की मांग की है। रोहित पवार ने विमान की मालिक कंपनी वीएसआर और उसके कथित संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि मामले में गड़बड़ी हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीजीसीए वीएसआर कंपनी का ऑडिट कर रही है और सभी लॉगबुक की जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने तक अटकलों से बचना चाहिए। फडणवीस ने यह भी कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए के पास छिपाने जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जांच सभी नेताओं की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है। बजट सत्र से पहले विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा है। महा विकास आघाड़ी की बैठक में एनसीपी (एसपी) के नेताओं की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी। विपक्ष ने सरकार की चाय पार्टी का बहिष्कार भी किया। माना जा रहा है कि सत्र के दौरान विमान हादसे का मुद्दा जोरदार तरीके से उठेगा। सरकार ने दोहराया है कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर कोरिया की राजनीति में अटकलों पर लगा विराम, बेटी नहीं, किम को ही मिली बड़ी जिम्मेदारी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की कांग्रेस में किम जोंग उन को दोबारा पार्टी का जनरल सेक्रेटरी चुन लिया गया है। इस फैसले के साथ ही हाल के महीनों में चल रही उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें उनके बाद उत्तराधिकार को लेकर चर्चा हो रही थी। माना जा रहा था कि इस बार उनकी बेटी को जनरल सेक्रेटरी चुना जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राज्य मीडिया के अनुसार हजारों प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से किम के नेतृत्व पर भरोसा जताया। पार्टी कांग्रेस पिछले गुरुवार से चल रही थी और रविवार को चौथे दिन यह निर्णय लिया गया। पार्टी ने कहा कि किम के नेतृत्व में देश ने अपनी परमाणु क्षमता को मजबूत किया है और किसी भी बाहरी खतरे का सामना करने की ताकत हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में सैन्य और राजनीतिक लक्ष्यों को और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है। हाल के वर्षों में रूस के साथ उत्तर कोरिया के रिश्ते मजबूत हुए हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान सैन्य सहयोग ने प्योंगयांग की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को और आक्रामक बनाया है। विश्लेषकों का कहना है कि किम पारंपरिक सेना को भी मजबूत करने और उसे परमाणु क्षमता के साथ जोड़ने की नई योजना पेश कर सकते हैं। 2019 में किम और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच शिखर वार्ता विफल होने के बाद से दोनों देशों के बीच कोई सार्थक वार्ता नहीं हुई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी उत्तर कोरिया ने परमाणु निरस्त्रीकरण की शर्त पर बातचीत से इनकार किया है। 2024 में किम ने दक्षिण कोरिया को स्थायी दुश्मन घोषित कर दिया था,

पाक की एयरस्ट्राइक से अफगानिस्तान में अब तक 80 से ज्यादा मौतें, तनाव चरम पर

इस्लामाबाद, एजेंसी ।पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के भीतर कई ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इनमें 80 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है।

पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई अफगानिस्तान के नंगरहार, पक्तिका और खोस्त प्रांत के सात स्थानों पर की गई। पाकिस्तान का कहना है कि यह हमले हाल में हुए आत्मघाती विस्फोटों के जवाब में किए गए हैं, जिनके लिए उसने अफगानिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान सरकार के अनुसार इन हमलों में प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और उससे जुड़े गुटों के ठिकानों को निशाना बनाया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।